

## प्रशासनिक व्यवस्था के सुचारु संचालन में पेंशनर सदस्यों का शासकीय अनुभव महत्वपूर्ण: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरगुजा संभागीय पेंशनर सम्मेलन में हुए शामिल, वरिष्ठ पेंशनरों को किया सम्मानित

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ग्राम पमशाला कंवर धाम (तपकरा) में आयोजित सरगुजा संभागीय पेंशनर सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर संभाग के विभिन्न जिलों से आए लगभग एक हजार पेंशनरों की उपस्थिति से कार्यक्रम भावनात्मक एवं गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने मंच में आते ही बड़ी आत्मीयता के साथ पेंशनर सदस्यों से मुलाकात की। उनका हाल चाल जाना। साथ ही उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान संघ के सदस्यों ने गजमाला से मुख्यमंत्री का स्वागत किया।



सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री साय ने 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनरों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स समाज की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्होंने अपने सेवाकाल में शासन-प्रशासन की नींव को सुदृढ़ किया है और आज राज्य के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था के सुचारु संचालन में पेंशनर सदस्यों का शासकीय अनुभव बहुत महत्वपूर्ण है। सभी ने सरकारी सेवा में अमूल्य सेवा दिए हैं, जिसके कारण प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु रूप से निरन्तर है। सभी ने खूब मेहनत की है, सूझ बुझ के साथ काम किया। साथ ही कठिनाइयों का सामना करते हुए दायित्वों का निर्वहन किए। पहले आवागमन का भी पर्याप्त साधन नहीं था। सूचना तंत्र मजबूत नहीं था। फिर भी सुविधा विहीन समय में भी निष्ठापूर्वक जिम्मेदारी निभाई। आपके अच्छे



काम से हम आगे बढ़ रहे हैं। आगे भी यह अनुभव काम आएगा। शासन में कोई भी नया निर्णय से पहले पूर्व निर्णय देखा जाता है। इसलिए निश्चित रूप से यह अनुभव आने वाले पीढ़ी को काम आएगा। आप लोगों ने अपने कामों के प्रति समर्पित होकर निष्ठा के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। इसके लिए सभी पेंशनर का आभार। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, पूर्व विधायक भरत साय, पेंशनर संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ डीपी मनहर, आईजी दीपक कुमार झा, सरगुजा कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, वनमंडलाधिकारी शशि कुमार सहित संभागीय एवं जिला स्तरीय पेंशनर संघ के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने पूर्व सरगुजा कमिश्नर रिटायर्ड आईएएस महेश्वर साय पैकरा द्वारा लिखित किताब करम डार एवं अन्य कथनी एवं महुवा के फूल का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रांताध्यक्ष डॉ डीपी मनहर ने कहा कि आज तक कोई भी मुख्यमंत्री पेंशनर सम्मेलन में शामिल नहीं हुए थे।

## मुख्यमंत्री ने फरसाबहार, कुनकुरी और मनोरा में पोषण पुनर्वास केंद्रों का किया शुभारंभ

**छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरसाबहार परिसर से फरसाबहार के साथ-साथ कुनकुरी एवं मनोरा विकासखंडों में स्थापित किए गए पोषण पुनर्वास केंद्रों का शुभारंभ किया। इन सभी पुनर्वास केंद्रों को 10-10 बिस्तरों की सुविधा के साथ प्रारंभ किया गया है। इसके साथ ही जिले में अब पोषण पुनर्वास केंद्रों की संख्या 6 हो गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्रों में भर्ती माता से उनके बच्चों के बारे में पूछा और पोषण कीट के साथ खिलौने भी दिए। मुख्यमंत्री ने सीएचसी फरसाबहार में बन रहे श्री सत्य साई मातृत्व शिशु चिकित्सालय का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयासों से सीएचसी में निर्माणाधीन श्री सत्य साई मातृत्व एवं शिशु चिकित्सालय जिलेवासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। चिकित्सालय में आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इसमें नवजात शिशुओं एवं बच्चों के उपचार के साथ-साथ गर्भवती माताओं के लिए भी ऑपरेशन सहित सभी आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में जिले में मेडिकल कॉलेज, प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज का निर्माण कार्य भी किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, मुख्य



चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस.जात्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा ने बताया कि पोषण पुनर्वास केंद्र में 6 माह से 5 वर्ष तक की आयु के गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को उनकी माताओं के साथ 15 दिनों तक भर्ती रखा जाता है। इस अवधि के दौरान बच्चों को चिकित्सीय निगरानी, संतुलित पोषण एवं आवश्यक कौशल आधारित देखभाल प्रदान की जाती है, ताकि वे स्वस्थ होकर घर लौट सकें और भविष्य में कुपोषण से मुक्त रह सकें। केंद्र में बच्चों को दूध के साथ खिचड़ी, हलवा सहित अन्य पौष्टिक आहार दिए जाते हैं। इसके साथ ही चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स को दवाई के रूप में उपलब्ध कराया जाता है, जिससे बच्चों की पोषण संबंधी कमी को दूर किया जा सके। कार्यक्रम के तहत बच्चों की माताओं को भी केंद्र में ही रहने एवं भोजन की सुविधा प्रदान की जाती है। साथ ही मां के खाने में 2250 रूपए क्षतिपूर्ति भुगतान भी किया जाता है। तथा शिशु पोषण, स्वच्छता एवं घर पर संतुलित आहार तैयार करने संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है, ताकि माताएं घर लौटने के बाद भी बच्चों को बेहतर देखभाल कर सकें और उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

## मुख्यमंत्री ने पमशाला में राधा कृष्ण मंदिर का किया दर्शन

**जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज पमशाला में सरगुजा संभागीय पेंशनर सम्मेलन में शामिल होने के पश्चात कार्यक्रम स्थल परिसर में स्थित राधा कृष्ण मंदिर का दर्शन लाभ लिया। उन्होंने इस दौरान राधा कृष्ण



जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक गण मौजूद रहे।

## शासकीय विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को मिलेगा नया आयाम

**जशपुरनगर।** जिले के शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में बगिया में जिला प्रशासन, SECL एवं EdCIL के मध्य त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर रोहित व्यास, SECL की ओर से जनरल मैनेजर श्री सी. एम. वर्मा तथा EdCIL की ओर से प्रोजेक्ट डायरेक्टर विकास सहायक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को रोचक एवं प्रभावी बनाने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के बच्चों को भी शहरों के समान बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों में नवाचार, जिज्ञासा एवं तकनीकी दक्षता का विकास होगा, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बनेगा।

## खदौरा हाट बाजार में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

139 रोगियों को दी गई चिकित्सा सेवाएं

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**बैकुंठपुर।** जिला कलेक्टर श्रीमती चंद्रन त्रिपाठी ने निर्देश व मार्गदर्शन में खदौरा हाट बाजार, जिला कोरिया में आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों तक आयुष सेवाओं का विस्तार करना, परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मौसम अनुरूप आहार-विहार की जानकारी देना था।



जिला आयुष अधिकारी डॉ. एलविना ग्रेस टोप्पो ने बताया कि बदरते जीवनशैली, खानपान और अनियमित दिनचर्या की वजह से अनेक बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है। मौसम के उतार-चढ़ाव की वजह से भी बीमारी होते हैं। ऐसे समय में होने वाले बीमारियों के बचाव के उपाय के बारे में आम लोगों को जानकारी दी जाती है और जांच, उपचार तथा निःशुल्क दवाई वितरण भी की जाती है। उन्होंने बताया कि योगाभ्यास के लिए भी आम लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास करें साथ दैनिक दिनचर्या को सुधार करें। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान स्वास्थ्य जांच, जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क दवा वितरण किया गया। इसमें आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से 87 तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति से 52 मरीजों का उपचार किया गया। इस प्रकार कुल 139 रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। इसके अलावा दूरस्थ ग्राम इन्द्रपुर में भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 49 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाओं का वितरण किया गया। आयुष विभाग के इस प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है और लोगों में आयुष चिकित्सा के प्रति जागरूकता देखने को मिली। कार्यक्रम में डॉ. आर. एस. यादव आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, डॉ. नाजिया अंसारी यूनानी चिकित्सा अधिकारी, डॉ. सौरभ सिंह (आयुष चिकित्सक) एवं रामरती आरएचओ, फार्मासिस्ट रोहित भार्या, प्रशांत सिंह एवं श्रवण (वार्ड बॉय) का सक्रिय योगदान रहा।

## दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति करेगा जागरूक

**जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने फरसाबहार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर से बाल विवाह मुक्त जशपुर अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में भ्रमण कर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और इसे रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी बाल विवाह की आशंका हो तो बिना झिझक 1098 पर सूचना दें और इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में सहभागी बनें। अभियान रथ के माध्यम से नागरिकों को बाल विवाह से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान, विवाह की वैधानिक न्यूनतम आयु तथा बाल विवाह निषेध अधिनियम के अंतर्गत किए

जाने वाले कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जाएगी। इसका उद्देश्य समाज में सकारात्मक सोच विकसित कर बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करना है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, कमिश्नर नरेन्द्र कुमार दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। रथ पर 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है, ताकि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर नागरिक तत्काल इस हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकें। सूचना प्राप्त होते ही बाल विवाह प्रतिषेध की संयुक्त टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। इसके साथ ही 1098 हेल्पलाइन के माध्यम से बच्चों से जुड़ी अन्य समस्याओं का समाधान भी किया जाता है।

## राष्ट्रीय आविष्कार अभियान अंतर्गत विज्ञान में उत्कृष्ट 10 छात्र शैक्षणिक भ्रमण हेतु भोपाल रवाना



**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**बैकुंठपुर।** राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा रायपुर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन कोरिया के निर्देशानुसार कोरिया जिले के विज्ञान विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु साइंस सेंटर, भोपाल (मध्यप्रदेश) के लिए रवाना किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया विनोद कुमार एवं सहायक संचालक जितेंद्र गुसा द्वारा विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन प्रदान कर यात्रा के लिए

शुभकामनाएं दी गईं। उन्होंने विद्यार्थियों से विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बनाए रखते हुए भ्रमण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने विद्यालय एवं साधियों के साथ साझा करने की अपील की। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं प्रयोगात्मक ज्ञान को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शैक्षणिक भ्रमण हेतु चयनित विद्यार्थियों की सूची - हरिओम रजवाड़े - सेजेस चरचा, दीपांशु राजवाड़े - सेजेस चरचा, पंकज साहू - हायर सेकेंडरी स्कूल रनई, अनुराग कृष्ण पाण्डेय - हायर सेकेंडरी स्कूल रनई, सत्येंद्र

कुमार पैकरा - रामानुज बैकुंठपुर, राधेश्याम पैकरा - रामानुज बैकुंठपुर, चंद्रकांत - हायर सेकेंडरी स्कूल कूडेली, सुजल सोनी - हायर सेकेंडरी स्कूल कूडेली, प्रतीक गुसा - सेजेस सोनहट, मो. हमजा - सेजेस बैकुंठपुर। इस अवसर पर प्राचार्य सेजेस बैकुंठपुर लाल मोहम्मद अंसारी, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान प्रभारी धर्मेश कुमार सिंह, गाइड शिक्षक कमल डडसेना (व्याख्याता, सेजेस चरचा) तथा बृजलाल दीवान (शिक्षक, माध्यमिक शाला बासनपादा) सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

## धान खरीदी सीजन में बड़ी कार्रवाई, उड़ीसा से आ रहा 30 क्विंटल अवैध धान जब्त

**जशपुर।** धान खरीदी सीजन के बीच अवैध धान परिवहन पर जशपुर पुलिस को सख्ती लगातार जारी है। इसी कड़ी में चौकी दोकड़ा क्षेत्रांतर्गत पुलिस पेट्रोलिंग टीम ने उड़ीसा से छत्तीसगढ़ लाए जा रहे 30 क्विंटल अवैध धान से भरे एक पिक-अप वाहन को धर दबोचा। पिक-अप सहित जब्त धान को कार्यवाही हेतु जिला प्रशासन को सौंप दिया गया है। यह कार्रवाई अवैध धान बिचौलियों के खिलाफ जशपुर पुलिस की सतर्कता और सक्रिय निगरानी को दर्शाती है। वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ में धान खरीदी चालू है, धान के बिचौलिए, सरहदी राज्यों व राज्य के भीतर से अवैध धान को किसानों के माध्यम से, मंडी में

खपाने की कोशिश में लगे हुए हैं। जिसके मद्देनजर उन्हें रोकने हेतु जिला पुलिस व प्रशासन की टीम लगातार अवैध धान परिवहन पर नजर रखी हुई है। पुलिस व प्रशासन की टीम के द्वारा जहां सरहदी रास्तों पर नाकाबंदी की गई है व संदिग्ध वाहनों की निरंतर चेकिंग की जा रही है, वहीं जशपुर पुलिस के द्वारा सरहदी क्षेत्रों पर निरंतर पेट्रोलिंग भी की जा रही है, साथ ही अवैध धान परिवहन को लेकर, पुलिस के द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया है। जशपुर पुलिस के द्वारा अब तक अवैध धान परिवहन पर कार्यवाही करते हुए 07 ट्रक, 21 पिक-अप व 02 ट्रैक्टर से कुल 1899 क्विंटल धान को पकड़ कर

कार्यवाही हेतु जिला प्रशासन को सौंपा जा चुका है। इसी क्रम में जशपुर पुलिस की पेट्रोलिंग टीम के द्वारा दिनांक 27.12.2025 को शाम करीब 08:30 बजे चौकी दोकड़ा क्षेत्रांतर्गत, बांस बहार नाजिया अंसारी यूनानी चिकित्सा अधिकारी, डॉ. सौरभ सिंह (आयुष चिकित्सक) एवं रामरती आरएचओ, फार्मासिस्ट रोहित भार्या, प्रशांत सिंह एवं श्रवण (वार्ड बॉय) का सक्रिय योगदान रहा।

कि उड़ीसा की ओर से ग्रामीण रास्तों से होते हुए बांसबहार-बंदरचुआ की ओर ले जाया जा रहा है। जिस पर चौकी दोकड़ा पुलिस की टीम के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, ग्राम बांसबहार चौक के पास घेरा बंदी कर, उक्त संदिग्ध पिक-अप वाहन क्रमांक ह्य -16-क -3960 को रोका गया। पुलिस के द्वारा जब्त उक्त संदिग्ध पिक-अप की तलाशी ली गई तो उसमें 70 बोरी में कुल 30 क्विंटल धान लोड मिला, पृच्छाछ पर पिक-अप वाहन के चालक ने अपना नाम नरेन्द्र गुसा, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम कुंजारा-नीम टोली थाना कुनकुरी का रहने वाला बताया व धान को अपना खुद का होना बताया।

## पानी की समस्या से मुक्ति, रघुनाथ ने शुरू की दोहरी फसल

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**बैकुंठपुर।** सिंचाई के अभाव में वर्षों तक वर्षा पर निर्भर रहने वाले किसान रघुनाथ के जीवन में विकसित भारत रोजगार व आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण (वीबीजी राम जी) ने आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है। कोरिया जिले के सोनहट जनपद पंचायत के तहत ग्राम मधौरा निवासी किसान रघुनाथ अब खेत में बने कुएं के माध्यम से सिंचाई कर खरीफ और रबी दोनों फसलों का सफल उत्पादन कर रहे हैं। किसान रघुनाथ के पास लगभग दो से तीन एकड़ कृषि योग्य भूमि है, लेकिन पूर्व में सिंचाई सुविधा न होने के कारण वे केवल परंपरागत धान की खेती तक सीमित थे।



बारिश कम होने पर रोपाईं और फसल दोनों प्रभावित होती थीं। साथ ही पूरे वर्ष खेत सूखे रहते थे और परिवार को दैनिक उपयोग एवं पेयजल के लिए सार्वजनिक हैंडपंप पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे विशेषकर महिलाओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। गत वर्ष ग्राम सभा में वार्षिक योजना निर्माण के दौरान किसान रघुनाथ को

विकसित भारत रोजगार व आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण (वीबीजी राम जी) अंतर्गत खेतों में कूप निर्माण की जानकारी मिली। आवेदन के पश्चात ग्राम सभा के प्रस्ताव अनुसार उनके खेत में कुंआ निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके लिए 2 लाख 16 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई तथा ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाया गया।

निर्धारित समय-सीमा में कूप निर्माण पूर्ण होने के बाद परिवार की जल समस्या का स्थायी समाधान हो गया। कूप निर्माण के बाद किसान रघुनाथ अब खरीफ एवं रबी दोनों मौसम की खेती कर रहे हैं। पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलने से फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है। बाड़ी में सब्जी उत्पादन से परिवार को अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है। इस वर्ष उन्होंने गेहूं की फसल लगाई है, जिससे लगभग 7 क्विंटल गेहूं उत्पादन होने का अनुमान है। वीबी जी राम जी से मिले कूप निर्माण ने किसान रघुनाथ के जीवन में खुशहाली, जल सुरक्षा और आर्थिक मजबूती सुनिश्चित की है।

# परसोढीकला में एसईसीएल प्रबंधन ने शुरू किया कोयला उत्पादन

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर।** एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र के इतिहास में आज का दिन स्वर्णशेखर में दर्ज हो गया, जब अमेरा ओपन कास्ट माईंस अंतर्गत परसोढीकला ग्राम पंचायत की अधिग्रहित भूमि से विधिवत कोयला उत्पादन का शुभारंभ किया गया। वर्षों की प्रतीक्षा, संघर्ष, संवाद और समझौते के बाद शुरू हुई यह परियोजना न केवल विश्रामपुर क्षेत्र बल्कि पूरे एसईसीएल और कोल इंडिया के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है। गौरतलब है कि अमेरा ओपन कास्ट माईंस के विस्तार को लेकर शुरुआती दौर में हालात बेहद तनावपूर्ण रहे। भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, मुआवजा और आजीविका के सवाल पर ग्रामीणों में असंतोष उभर आया था। कई बार स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस अज्ञात व्यक्ति को बीच तीखी झड़पें भी हुईं, जिससे पूरा क्षेत्र सुखियों में आ गया। उस दौर में

यह आशांका जताई जाने लगी थी कि परियोजना लंबे समय तक ठप रह सकती है, लेकिन एसईसीएल प्रबंधन ने पीछे हटने के बजाय संवाद का रास्ता चुना। लगातार बैठकों और व्यक्तिगत चर्चाओं के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को सुना गया। मुआवजा, पुनर्वास और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर सहमति बनाकर विश्वास बहाली को कोशिश की गई। यही कारण रहा कि जिस परियोजना को लेकर कभी विरोध चरम पर था, आज उसी धरती से

विकास की नई कहानी शुरू हो सकी। ज्ञात हो कि आज जैसे ही परसोढीकला की अधिग्रहित भूमि पर खदान से कोयला निकला तब उत्साह का माहौल उत्पान की शुरुआत को प्रबंधन ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम मान रहा है। इससे न केवल विश्रामपुर क्षेत्र की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि कोल इंडिया के कुल उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने में भी यह माईंस अहम भूमिका निभाएगी। देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में इस परियोजना का योगदान आने वाले वर्षों में और भी महत्वपूर्ण साबित होने की संभावना है। कुल मिलाकर परसोढीकला में शुरू हुआ कोयला उत्पादन केवल एक औद्योगिक गतिविधि नहीं, बल्कि संघर्ष, संवाद और सहयोग से निकली सफलता की मिसाल है। यह परियोजना आने वाले समय में विश्रामपुर क्षेत्र को आर्थिक मजबूती देने के साथ-साथ देश की ऊर्जा रीढ़ को और सशक्त बनाएगी।

**ववाले के बाद कलेक्टर और थाना प्रभारी पर गिरी गाज** ग्रामीणों और राजनेताओं की अड़ौबाजी के कारण अमेरा

खदान से कोयला उत्पादन का कार्य वर्ष 2018 से पूरी तरह बाधित था, जिससे एसईसीएल प्रबंधन को अब तक कई करोड़ का नुकसान अनुमानित है। प्रबंधन खदान को शुरू कराने के लिए प्रयास कर चुका लेकिन राजनीतिक अड़ौबाजी के कारण प्रशासनिक सहयोग नहीं मिलने के कारण खदान से कोयला उत्पादन प्रभावित रहा। सरगुजा के तत्कालीन कलेक्टर विलास भोस्कर के दृढ़ इच्छाशक्ति और पुलिस अमले के सहयोग से आधिकारिक प्रबंधन ने खदान शुरू कराने में सफल रही। जिससे आज से यहां कोयला उत्पादन शुरू कर लिया गया है। 3 दिसम्बर को ग्रामीणों एवं प्रशासनिक अमले के बीच हुई संघर्ष की स्थिति व बवाल के बाद कलेक्टर विलास भोस्कर का राज्य सरकार ने तबादला कर दिया, वहीं तत्कालीन लखनपुर थाना प्रभारी मनोष सिंह परिहार को इसी घटना के बाद पीएचक्यू अटैच कर दिया गया है।

## युवक के बाइक में रखे बैग समेत 49 हजार ले भागे अज्ञात बाइक सवार

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर।** एसईसीएल महाप्रबंधक कार्यालय के सामने सोमवार को दोपहर हुई उठाईगिरी की घटना में अज्ञात बाइक सवार युवकों ने युवक का पीछाकर उसके बैग में रखे 49 हजार रुपए नगद सहित जानवरों की दवा, बैंक पासबुक लेकर नौ दो ग्यारह हो गए हैं। युवक की रिपोर्ट पर विश्रामपुर पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर सरगर्मा से तलाश शुरू कर दी है। गौरतलब है कि जयनगर थाना क्षेत्र के

12 बजे अपने एसबीआई विश्रामपुर बैंक शाखा के बचत खाता से घर में लगे काम में मजदूरों को पैसे देने के उद्देश्य से 49 हजार रुपए बैंक से

कर बैग को बाइक में रखकर दुकान से समान ले रहा था। तभी बैंक से ही पीछाकर रहे दो बाइक सवार युवक उसके बैग में रखे बैग को लेकर फरार हो गए हैं। उठाईगिरी के शिकार हुए युवक ने बताया कि वह दुकान की सौंदी चढ़ रहा था, इसी बीच बाइक सवार युवकों ने उसका बैग पार कर दिया है। घटना के बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो युवक बैग उठाकर ले जाते दिख रहे हैं, जो बैग लेकर तेजी से बाइक में अंबिकापुर की ओर भाग निकले



ग्राम पंचायत राजापुर निवासी अमरनाथ सिंह पिता शिवनाथ जो गांव में ग्रामीण गौ सेवक का कार्य करता है। सोमवार की दोपहर करीब साढ़े

आहरण कर वह महाप्रबंधक कार्यालय के सामने स्थित शारदा जनरल स्टोर में किराना समान लेने रुका था। वह बाइक खड़ी

हैं। सूचना पर विश्रामपुर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर घटना स्थल सहित आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

## भगवान श्री अग्रसेन प्रतिमा स्थापना आयोग के विजयराज बने प्रदेश संयोजक

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर।** अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन से संबद्ध छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा विजयराज अग्रवाल को भगवान श्री अग्रसेन प्रतिमा स्थापना आयोग का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन से सम्बद्ध छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक अग्रवाल रायपुर द्वारा विजयराज अग्रवाल को नियुक्ति की गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने नियुक्ति प्रदान करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि विजयराज अग्रवाल के द्वारा पूरे प्रदेश के समस्त नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम एवं विकासखण्ड मुख्यालयों में भगवान महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा स्थापित हो। विजयराज अग्रवाल ने भगवान अग्रसेन की जीवनगाथा के बारे में बताते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन एक पूजनीय प्राचीन राजा थे, जो सामाजिक न्याय एवं

सांप्रदायिक सद्भाव के सिद्धांतों के लिए जाने जाते थे। उन्हें अपने राज्य में समानता और कल्याण को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए याद किया जाता है, जिन्होंने अग्रवाल समुदाय के उद्यमशीलता और परोपकार के मूल्यों की नींव रखी। उनके नेतृत्व और सुधारों ने सामाजिक मूल्यों पर अमिट प्रभाव छोड़ा है। भगवान अग्रसेन द्वारा व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देना उनके शासन का एक और महत्वपूर्ण स्तंभ था। उन्होंने आर्थिक गतिविधियों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया, जिसने उनके राज्य की समृद्धि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजयराज अग्रवाल ने कहा कि हम उनके मार्गदर्शन एवं साहित्य में छत्तीसगढ़ राज्य में एक व्यापक अभियान प्रारंभ कर रहे हैं, जिसके तहत प्रत्येक ग्राम व शहर में प्रमुख चौक चौराहों पर भगवान महाराजा अग्रसेन जी की संगमरमर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। विजयराज अग्रवाल ने कहा कि हम उनके मार्गदर्शन एवं साहित्य में छत्तीसगढ़ राज्य में एक व्यापक अभियान प्रारंभ कर रहे हैं, जिसके तहत प्रत्येक ग्राम व शहर में प्रमुख चौक चौराहों पर भगवान महाराजा अग्रसेन जी की संगमरमर की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।



## चुनापत्थर में 100 बोरी अवैध धान जप्त

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी

ग्राम चुनापत्थर में अवैध 100 बोरी धान जप्त किया गया है। प्रास जानकारी के अनुसार, कल रात्रि ग्राम चुनापत्थर में जवाहिर पंडों के घर के बाहर लगभग 100 बोरी धान अज्ञात व्यक्ति द्वारा छोड़कर फरार हो गया। मामले की सूचना मिलते ही तहसीलदार श्री अश्विनी चंद्रा, नायाब तहसीलदार श्री आई सी यादव सहित संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और मौके पर 100 अवैध बोरी धान को जप्त किया गया।

## स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन एवं फिल्टर्ड ऑफिसर के 115 पदों पर की जाएगी भर्ती

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि श्रमिन टैलेट एवं स्वतंत्र माइक्रोफिन कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन एवं फिल्टर्ड ऑफिसर/कलेक्शन ऑफिसर के 115 पद पर भर्ती की जानी है। जिसके लिए जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में 30 दिसम्बर को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। रोजगार विभाग के नवीन निर्देशानुसार रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैंप का आयोजन वर्तमान में अनिवार्यतः ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाइन मेला/प्लेसमेंट कैंप क्रियट कर किया जा रहा है। इसमें अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए आधार अपडेटेड जीवित रोजगार पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन आवेदकों का वर्तमान में जीवित रोजगार पंजीयन नहीं हुआ है, वे ऑनलाइन रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैंप में आवेदन करने हेतु मतवरहंत/पहले अपडेटेड धु बंद तवरहंत चच के माध्यम से पहले रोजगार पंजीयन करना सुनिश्चित करें, तत्पश्चात मेला/प्लेसमेंट कैंप हेतु उपलब्ध कराये गए लिंक में जाकर, रोजगार पंजीयन के आधार पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, या प्लेसमेंट कैंप में 30 दिसम्बर 2025 को स्वयं उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या के लिए मोबाइल नंबर 7587727074 पर संपर्क कर सकते हैं। योग्य अभ्यर्थी प्लेसमेंट कैंप में निर्धारित दिनांक एवं स्थल में सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर रोजगार से जुड़ सकते हैं।

जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि श्रमिन टैलेट एवं स्वतंत्र माइक्रोफिन कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन एवं फिल्टर्ड ऑफिसर/कलेक्शन ऑफिसर के 115 पद पर भर्ती की जानी है। जिसके लिए जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में 30 दिसम्बर को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। रोजगार विभाग के नवीन निर्देशानुसार रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैंप का आयोजन वर्तमान में अनिवार्यतः ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाइन मेला/प्लेसमेंट कैंप क्रियट कर किया जा रहा है। इसमें अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए आधार अपडेटेड जीवित रोजगार पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन आवेदकों का वर्तमान में जीवित रोजगार पंजीयन नहीं हुआ है, वे ऑनलाइन रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैंप में आवेदन करने हेतु मतवरहंत/पहले अपडेटेड धु बंद तवरहंत चच के माध्यम से पहले रोजगार पंजीयन करना सुनिश्चित करें, तत्पश्चात मेला/प्लेसमेंट कैंप हेतु उपलब्ध कराये गए लिंक में जाकर, रोजगार पंजीयन के आधार पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, या प्लेसमेंट कैंप में 30 दिसम्बर 2025 को स्वयं उपस्थित होकर आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में किसी भी प्रकार की समस्या के लिए मोबाइल नंबर 7587727074 पर संपर्क कर सकते हैं। योग्य अभ्यर्थी प्लेसमेंट कैंप में निर्धारित दिनांक एवं स्थल में सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर रोजगार से जुड़ सकते हैं।

## शिविर में 88 महिलाओं ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर।** स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत दशहरा मैदान केंद्रीय चिकित्सालय के सामने शिवानी महिला मंडल द्वारा महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शशि दुहन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर की शुरुआत करते हुए शिवानी महिला मंडल की

अध्यक्षा श्रीमती अल्पना सिंह ने कहा कि महिलाओं का उत्तम स्वास्थ्य ही सशक्त परिवार और मजबूत समाज की आधारशिला है। शिविर में महिलाओं की सामान्य स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर 88 महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल की सुनीता कुमारी, जया रामरा, महिमा सिंह, निशा श्रीवास्तव

एवं ज्योति शर्मा का विशेष योगदान रहा। शिविर में एमएम डॉ. यूएस बैठा, डॉ. संगीता, डॉ. सत्यपाठ, डॉ. हर्षवर्धन सहित अस्पताल के अन्य स्टाफ ने अपनी सेवाएं प्रदान कर महिलाओं को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिवानी महिला मंडल ने महिलाओं से ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की अपील की है।

**सूरजपुर। प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन।** राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन 23 से 25 दिसंबर तक राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र, बहतर्वाड़ बिलासपुर में किया गया। इस महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित प्रतिभागियों ने सहभागिता की। राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में जिला से प्रथम स्थान प्राप्त दल ने भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष रूप से पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता में सूरजपुर जिले ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में रणविकास सिंह आरंभ में प्रथम स्थान तथा वर्षों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत विजेन्द्र सिंह पाटले द्वारा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

## फेडरेशन के हड़ताल से दफ्तरों में छाई वीरानी, कामकाज हुआ प्रभावित

### 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 3 दिवसीय आंदोलन पर है अधिकारी कर्मचारी

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर।** अपनी 11 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन 3 दिनों की हड़ताल पर चले गए हैं। सोमवार को पहले दिन हड़ताली कर्मचारियों ने पुराना बस स्टैंड परिसर में धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद किया। इस दौरान बड़ी संख्या में फेडरेशन के पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। हड़ताल के पहले दिन से ही दफ्तरों में वीरानी छाई रही और काम के लिए आये लोग भटकते नजर आए। पदाधिकारियों ने बताया कि उनकी लंबित 11 सूत्रीय मांगों पर शासन द्वारा कोई ठोस निर्णय न होने से कर्मचारियों में भारी नाराजगी है, जो अब आंदोलन के रूप में सामने आ रही है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर तीन दिन का पूर्ण कामबंद और कलमबंद आंदोलन करने का ऐलान किया है।

जापान सौंपने के बावजूद शासन के उपेक्षापूर्ण रवैये ने अब उन्हें हड़ताल जैसा कड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है।

में तीन दिवसीय निश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है, फिर भी सरकार सकारात्मक समाधान नहीं करती तो आंतिम

को इसकी सूचना दे दी है। **ये हैं फेडरेशन की प्रमुख मांगें** केंद्र के समान देय तिथि से

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सरकार के लगातार उपेक्षापूर्ण रवैये के विरोध में 3 दिवसीय हड़ताल पर है। फेडरेशन के अनुसार शासन द्वारा बारंबार पत्राचार एवं एक दिवसीय हड़ताल के बावजूद लंबित मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं होने से संगठन आंदोलन को बाध्य हुआ है। फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह ने बताया कि पूर्व में फेडरेशन के द्वारा प्रथम चरण में मशाल रैली, द्वितीय चरण में एक दिवसीय ध्यानाकर्षण रैली व तृतीय चरण

चरण में अनिश्चितकालीन आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मोदी की गारंटी के अनुरूप कर्मचारियों को देय 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता तथा लगभग 80 माह का लंबित एरियर्स जीपीएफ खाते में समायोजित करने सहित 11 सूत्रीय मांगों पर सरकार उदासीन है। इसी के चलते फेडरेशन को 29 से 31 दिसंबर तक 3 दिन की हड़ताल के लिए मजबूर होना पड़ा है। बताया गया है कि जिले के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों ने अपने अपने विभाग प्रमुख

कर्मचारियों व पेंशनरों को महंगाई भत्ता। वर्ष 2019 से लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स को जीपीएफ में समायोजित करना। सभी संगठनों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहि विभिन्न विभागों की वेतन विसंगति दूर करना तथा पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करना। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ की गणना सहायक शिक्षक, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को तृतीय समयमान सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

आरोप है कि केंद्र के समान देय तिथि से लाभ न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बार-बार

से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। जानकारी दी गई। जारी किये गये लेआउट के अनुसार लम्बी की मानक डबवाई-चौडाई-गहराई निर्धारित की गई है। प्रमुख तकनीकी बिन्दु स्थल का चयन निम्न ढाल वाला क्षेत्र, जल भराव योग्य भूमि, सुरक्षित दूरी पर बस्तियों

महानक आकार के बारे में विस्तार से बताया गया। आजीविका डबरी निर्माण से वर्षों का जल संचयन, मत्स्य पालन, सिंचाई एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना है, इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, तकनीकी सहायक, बी.एफ.टी., ग्राम रोजगार सहायक, मेट एवं मनरंगा श्रमिक उपस्थित रहे।



## महूली उप स्वास्थ्य केंद्र के एएनएम अटैचमेंट, बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन चांदनी बिहारपुर।** सूरजपुर जिले के दूरस्थ, पहाड़ी एवं आदिवासी बाहुल चांदनोडुबिहारपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। क्षेत्र में पहले से ही स्वास्थ्य कर्मियों की कमी बनी हुई है, इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा पल्स एएनएम को मनमाने ढंग से अन्य स्थानों पर अटैच कर दिया गया, जिससे महूली उप स्वास्थ्य केंद्र का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। सूत्रों के अनुसार, उप स्वास्थ्य केंद्र महूली में नियुक्त सेकंड एएनएम को पुनः दूसरे स्थान पर अटैच कर दिया गया, जिसके कारण यहां बीते एक वर्ष से डिलीवरी सेवा पूरी तरह बंद है। यही नहीं, इससे पहले भी यहां पदस्थ एएनएम को अटैच कर अन्यत्र भेज दिया गया था, जिसके बाद से टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी नियमित रूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं। स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के कारण गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी, टीकाकरण, प्रसव पूर्व एवं पश्चात जांच,

नवजात शिशु देखभाल तथा प्राथमिक उपचार जैसी मूलभूत सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मजबूरी में महिलाओं को प्रसव के लिए 10 से 15 किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर जाना पड़ता है, जहां

**एक साल से डिलीवरी बंद, शोपीय बस केंद्र ग्रामीणों में आक्रोश** भी बनाकर सुविधा मिलना मुश्किल हो जाता है। स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव और क्षेत्र के सीमावर्ती होने के कारण अधिकांश गर्भवती महिलाओं को पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के बैदुन तक ले जाया जा रहा है। नजदीकी होने से अब कई महिलाओं का प्रसव छत्तीसगढ़ के बजाय मध्यप्रदेश में हो रहा है, जो राज्य सरकार की मातृ-शिशु स्वास्थ्य योजनाओं और प्रशासनिक दायों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। प्रास दस्तावेजों के अनुसार 24 नवम्बर 2025 को आदेश क्रमांक 7136 जारी किया गया था, जिसमें सुमन साहू द्वितीय एएनएम की मूल पदस्थापना उप

स्वास्थ्य केंद्र महूली में दर्ज है। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा उन्हें अन्य स्थान पर अटैच कर दिया गया, जिससे महूली उप स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी और टीकाकरण सेवाएं वर्षों से प्रभावित बनी हुई हैं। बता दें कि महूली उप स्वास्थ्य केंद्र पर महूली, कोल्हूआ, चांगा, करौटी, खोहरी, रामगढ़, बैजनावाट, लूल्ह, तेलाईपाट, भून्डा, कछवारी, जुडवनीया सहित स्वास्थ्य केंद्र से अधिक गंभीर निर्भर हैं, लेकिन केंद्र के निष्क्रिय होने से ग्रामीण बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों की इस कथित मनमानी को लेकर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने मांग की है कि अटैच किए गए एएनएम कर्मियों को तत्काल उनके मूल पदस्थापन स्थल पर वापस भेजा जाए, दूरस्थ क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त स्वास्थ्य स्टाफ की स्थायी नियुक्ति की जाए, केंद्र में बिजली, पानी एवं प्रसव सुविधा तुरंत बहाल की जाए। जिससे क्षेत्र के लोगों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

## महावीरगंज में आजीविका डबरी निर्माण पर तकनीकी मार्गदर्शन

**बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन।** कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के ग्राम पंचायत महावीरगंज में आजीविका डबरी निर्माण की तकनीकी जानकारी दी गई इसके साथ ही ले-आउट के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इसके अंतर्गत डबरी निर्माण के लिए स्थल चयन, माप-मान, खुदाई, ढलान, लाइनिंग, इनलेट-आउटलेट, आवरफ्लो, सुरक्षा उपाय तथा रख-रखाव

से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। जानकारी दी गई। जारी किये गये लेआउट के अनुसार लम्बी की मानक डबवाई-चौडाई-गहराई निर्धारित की गई है। प्रमुख तकनीकी बिन्दु स्थल का चयन निम्न ढाल वाला क्षेत्र, जल भराव योग्य भूमि, सुरक्षित दूरी पर बस्तियों

महानक आकार के बारे में विस्तार से बताया गया। आजीविका डबरी निर्माण से वर्षों का जल संचयन, मत्स्य पालन, सिंचाई एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना है, इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, तकनीकी सहायक, बी.एफ.टी., ग्राम रोजगार सहायक, मेट एवं मनरंगा श्रमिक उपस्थित रहे।

महानक आकार के बारे में विस्तार से बताया गया। आजीविका डबरी निर्माण से वर्षों का जल संचयन, मत्स्य पालन, सिंचाई एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना है, इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, तकनीकी सहायक, बी.एफ.टी., ग्राम रोजगार सहायक, मेट एवं मनरंगा श्रमिक उपस्थित रहे।



## पंचदेव बस्ती में हुआ भव्य हिंदू महासम्मेलन का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। हिंदू जन जागरण समिति पंचदेव बस्ती के द्वारा हिंदू महासम्मेलन का आयोजन रविवार को यहां के पंचमन्दिर पारा स्थित माँ दुर्गा पंडाल में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में समरसता स्थापित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा भारत माता की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला कार्यवाह विजय शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष की उपलक्ष्य में समाज के द्वारा हिंदू महासम्मेलन का आयोजन हिंदू समाज में समरसता का भाव प्रकट करने, भेद, भिन्नता को समाप्त करने और अपनी संस्कृति, परंपरा के प्रति गौरवान्वित अनुभव करें, इस प्रकार के आयोजन देश के प्रत्येक मंडल, नगर बस्ती पर देखने को मिल रहा है,

हिंदू धर्म जिसे हम सनातन धर्म के नाम से जानते हैं, जब से सृष्टि का जन्म हुआ है और जो संस्कृति इस सृष्टि में प्रथम रूप में आई वह हिंदू संस्कृति सनातन संस्कृति के रूप में हम समझ सकते हैं क्योंकि सबसे पुरातन संस्कृति सनातन संस्कृति जिसका आदि है ना अंत, जो संस्कृति है वह सनातन- हिंदू संस्कृति ही है। हिंदू समाज को सारे भेद भूलकर मूल हिंदुत्व की भावना को जीवन में धारण करना होगा। पंच परिवर्तन के पांच बिंदु सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारीत जीवन एवं नागरिक कर्तव्य बोध को समाज अपने जीवन में आत्मसात करें, भारत का जन-जन पंच परिवर्तन के बिंदुओं को धारण करेगा तो भारत अपने गौरव को पुनः प्राप्त कर विश्व गुरु के स्थान को प्राप्त करेगा। मातृशक्ति के रूप में उपस्थित डॉ शिवांजलि सिंह ने परिवार में संस्कार एवं संयुक्त भाव हो, परिवार



को जोड़ने हेतु छोटा-छोटा प्रयास हमारा हो भोजन, भजन किसी कारणवश व्यस्तता के नियमित नहीं हो रहा है तो कम से कम सप्ताह में एक बार पूरा परिवार एक साथ भोजन, भजन करें क्योंकि परिवार चरित्रवान होगा तो हमारा देश भी मजबूत और ताकतवर होगा। कार्यक्रम के अतिथि संत श्री स्वामी पुरी जी महाराज ने अपने वक्तव्य में कहा कि अपनी संस्कृति का सम्मान अपने बड़ों के सम्मान के बराबर है, हम सभी भारत माता की संतान है,

रामदेव यादव, कुशवाहा समाज से रामकुमार कुशवाहा, साहू समाज से जोखन लाल साहू, देवांगन समाज से परशुराम देवांगन, राजवाड़े समाज से नानराम राजवाड़े, विश्वकर्मा समाज से नारद विश्वकर्मा, सोनी समाज से विक्रम सोनी, हलवाई समाज से गणेश गुप्ता, जायसवाल समाज से डॉ. प्रकाश जयसवाल, सौंडिक समाज से एच.एन. गुप्ता, कसेरा समाज से ज्वाला प्रसाद गुप्ता, कहार समाज से कमलेश कोसरिया, अग्रवाल समाज से वेद प्रकाश बंसल, ब्राह्मण समाज से राम बिलास शर्मा एवं अन्य समाज के लोग भी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़िया गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में कर्मा लोक नृत्य एवं सुआ लोक नृत्य के अलग-अलग दल ने अपना जोरदार प्रदर्शन किया जो पूरे कार्यक्रम का आकर्षण का केंद्र रहा। अंतिम में इन्हें सम्मान हेतु स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

## 9वीं सीनियर राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप में सरगुजा के दो खिलाड़ियों का चयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। 9वीं सीनियर राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप 2025-26 का आयोजन 28 से 30 दिसंबर 2025 तक चंडीगढ़ में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए सरगुजा जिले से दो खिलाड़ियों का चयन छत्तीसगढ़ प्रदेश गतका टीम में हुआ है, जो जिले के लिए गौरव का विषय है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ टीम के सीनियर वर्ग में सरगुजा जिले से सुष्मिता चौहान एवं शिवरतन का चयन उनके निरंतर अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। सरगुजा गतका को ऑर्डिनेटर रजत सिंह ने कहा कि गांधी स्टेडियम स्थित



बास्केटबॉल ग्राउंड में नियमित रूप से गतका का अभ्यास कराया जाता है, जहां से लगातार खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे चलकर खेले इंडिया जैसे आयोजनों में भाग लेने का अवसर भी मिल सकता है। इस अवसर पर द गतका एसोसिएशन सरगुजा के सभी पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों ने चर्चानित दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## कर्तव्य पथ पर दिखेगा जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश का पहला डिजिटल संग्रहालय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आगामी गणतंत्र दिवस समारोह में नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी। इस वर्ष छत्तीसगढ़ की झांकी में जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश के पहले डिजिटल संग्रहालय की अद्भुत झलक प्रदर्शित की जाएगी। रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति द्वारा गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के लिए छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन किया गया है। इच्छुक नागरिकों को यह डिजिटल संग्रहालय प्रधामंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर

नवा रायपुर अटल नगर में लोकार्पित किया जा चुका है। गणतंत्र दिवस समारोह हेतु झांकी के चयन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की झांकी के माध्यम से देशभर के नागरिकों को आदिवासी समाज की अद्भुत देशभक्ति, अनुपम वीरता और अपने सिद्धांतों के लिए बलिदान की गौरवशाली परंपरा को देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इसे पूरे राज्य के लिए गर्व और उत्साह का विषय बताया। जनसंपर्क विभाग के सचिव रोहित यादव ने बताया कि सभी राज्यों द्वारा अपनी झांकियों के प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेजे गए थे।

## अखिल भारतीय आदिवासी बिड़िया समाज महासंघ का वार्षिक महासम्मेलन ग्राम लक्ष्मणगढ़ में आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। अखिल भारतीय बिड़िया समाज महासम्मेलन की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला के लक्ष्मणगढ़ में हुआ। युक्त बैठक बिड़िया समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूवाल सिंह सिरदार सहित समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुई। आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रतिनिधि विजय अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, उदयपुर सरपंच संघ के अध्यक्ष प्रदीप मरकाम, उदयपुर मंडल अध्यक्ष अखंड विधायक सिंह, प्रबोध सिंह, सहित अन्य

जनप्रतिनिधियों रहे। वही बिड़िया सामाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूवाल सिंह सिरदार, राष्ट्रीय सचिव हरदेव सिरदार, व राष्ट्रीय युवा मोर्चा के अध्यक्ष विजय सिरदार, उपाध्यक्ष नरसिंह नारायण सिंह, राष्ट्रीय सलाहकार दिलीप साय सिरदार, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष देवनारायण पटवारी, युमो सचिव कैलाश सिरदार, राष्ट्रीय युवा मोर्चा प्रवक्ता देवशरण सिरदार, युमो प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र सिरदार जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नयन विजय सिरदार, जनपद सदस्य सूरजपुर अनीता सुरेश सिरदार, संभागीय अध्यक्ष बुझन राम सिरदार, जयनगर क्षेत्र अध्यक्ष लाल बहादुर सिरदार, संघटन मंत्री



अनिल सिंह, राष्ट्रीय युवा मोर्चा महामंत्री राजेश्वर सिरदार, कुंवरपुर बड़गा आलम साय सिरदार, राष्ट्रीय युवा मोर्चा सह प्रवक्ता कृष्णा पाल, राष्ट्रीय युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी भरत सिरदार, राष्ट्रीय युवा मोर्चा सह मीडिया प्रभारी सितेश सिरदार, फुलेश्वर सिरदार, फलेश्वर सिरदार,

तेजाराम, एवं हमारे छत्तीसगढ़ के चार क्षेत्र के अध्यक्ष जयनगर क्षेत्र से लाल बहादुर सिरदार, कलुआ क्षेत्र से शिवमल सिरदार, भटगांव क्षेत्र से एच आर प्रधान, डभरा क्षेत्र से संजय सिरदार रहे, कार्यक्रम की शुरुवात सर्वप्रथम मां भारती एवं हमारे समाज के धरती आंवा एवं हमारे पूर्वज भगवान गोपाल राय

जी की छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया, एवं समस्त अतिथियों का फुलमाला एवं बुके द्वारा स्वागत अभिनन्दन किया गया। स्वागत भाषण युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सिरदार के द्वारा दिया गया, तत्पश्चात हमारे बिड़िया समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूवाल सिंह सिरदार व सांसद, मंत्री प्रतिनिधि सहित समाज के प्रतिनिधि व क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने पुलिस आरक्षक में चयन हुए सभी आरक्षकों को बधाई शुभकामनाओं के साथ सम्मानित किया गया। इस महा सम्मेलन में समाज को एकजुट होने की बात कही गई, नशा को दूर किया जाए, सहित

समाज के अनेक कुरतियों के बारे में चर्चा की गई, इस दौरान असम, उड़ीसा झारखंड, रायपुर सहित आसपास क्षेत्र के कई समाज के सामाजिक कार्यकर्ता, बिड़िया समाज मंत्री अमरनाथ सिरदार, मंत्री गीता राम सिरदार, मंत्री गणेश सिरदार, दयाल सिरदार, महामंत्री तेज बहादुर सिंह, मंत्री विवेक सिरदार, सह प्रवक्ता छबिंशंकर सिरदार, मंत्री राम सिंह, मंत्री सुरेश सिरदार, कार्यकारिणी सदस्य में धनसार, ब्रह्मदेव, छत्रपाल सिरदार, गेंदालाल, देवप्रताप, भोजराज, सांझू राम, राजेन्द्र प्रसाद, दयाल, सिरदार, सुखलाल सिरदार, पुरुषोत्तम सिरदार, विनोद सिरदार रहे।

## मतदाता जागरूकता हेतु आयोजित की गई पेंटिंग प्रतियोगिता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में मतदाता सूची के अद्यतन एवं मतदाता जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। तहसील ओडगी में बीएलओ की बैठक आयोजित कर फॉर्म-6 कलेक्शन की समीक्षा की गई। इस दौरान बीएलओ नो-मैपिंग मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए तथा लांजिकल वृत्तियों के सुधार हेतु को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसी क्रम में तहसीलदार की उपस्थिति में जनपद सभा कक्ष, भैयाथान में समस्त बीएलओ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में फॉर्म-6 का कलेक्शन एवं ऑनलाइन एट्री, नो-मैपिंग



मतदाताओं को नोटिस, लांजिकल वृत्ति सुधार, अन्य संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अधिना सलका में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन अलावा विद्यालय में 27 बच्चों को चिन्हांकित कर फॉर्म-6 का वितरण किया गया। इसके साथ ही तहसील भटगांव के बतरा में मतदाता जागरूकता के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की

गई, जिसमें फॉर्म-6 हेतु 120 बच्चों को चिन्हांकित कर फॉर्म वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त सरस्वती शिशु मंदिर, जरही में बच्चों को फॉर्म-6 की जानकारी दी गई। यहां 17 बच्चों को चिन्हांकित कर फॉर्म-6 का वितरण किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से जिले में मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन करने के साथ-साथ युवा मतदाताओं को जागरूक करने की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है।

## प्रधानमंत्री से परीक्षा पे चर्चा हेतु जिले को मिला 96 हजार का लक्ष्य, 38 हजार ने कराया रजिस्ट्रेशन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ देशभर के विद्यार्थियों, शिक्षकों और पालकों को सीधे संवाद करने का एक और सुनहरा अवसर मिल रहा है। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी परीक्षा पे चर्चा के भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जो इस श्रृंखला का 9 वाँ संस्करण होगा। इस मंच के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यों से चर्चानित बच्चों द्वारा परीक्षा से संबंधित पूछे गए सवालों के जवाब देकर उनका मार्गदर्शन करेंगे और उनके तनाव को कम करने का प्रयास करेंगे। इस कार्यक्रम में कक्षा 6 से 12 वीं के विद्यार्थी, शिक्षक



और अभिभावक सभी अपने प्रश्न अधिकतम 5 सौ शब्दों में तैयार कर सकते हैं। प्रश्न अपलोड करने की सुविधा भारत सरकार के पोर्टल पर उपलब्ध है। परीक्षा पे चर्चा विकल्प में प्रतिभागी पुरस्कारों से जुड़ी तिथियों और अन्य दिशा-निर्देशों की जानकारी देख सकते हैं। कार्यक्रम के लिए

प्रश्न अपलोड करने की प्रक्रिया 1 दिसंबर से शुरू हो चुकी है और प्रतिभागी अपने प्रश्न 11 जनवरी तक अपलोड कर सकते हैं। आपको बता दें कि कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में जिला सूरजपुर का शिक्षा एवं समग्र शिक्षा विभाग ने विशेष रणनीति बना कर अधिकतम छात्रों को परीक्षा पर

चर्चा में रजिस्ट्रेशन करने का अभियान चलाया है। जिले को 96 हजार लक्ष्य परीक्षा पर चर्चा का रजिस्ट्रेशन का मिला हुआ है। विभाग से मिली प्राप्त अंतिम जानकारी तक 38 प्रतिशत से ज्यादा यानी 30 हजार छात्रों अभिभावकों एवं शिक्षकों ने परीक्षा पर चर्चा का रजिस्ट्रेशन कराया है गत दिनों रबीर बाल दिवस समारोह के अवसर पर एक ही दिन में 9.5 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुआ जो लक्ष्य का 10 प्रतिशत है। 126 नवंबर को प्रदेश भर में एक दिन में सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन करने का रिकॉर्ड स्थापित हुआ। परीक्षा पर चर्चा में खंड स्तरीय शिक्षा अधिकारी,

संकुल समन्वयक और शिक्षकों ने सभी 6 से 12 कक्षा तक के छात्र छात्राओं का शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन के लिए प्रयासरत हैं। परीक्षा एक ऐसा विषय है जिस पर सुनते ही मानसिक तनाव, असहजता एवं डर का वातावरण छात्रों में रहता है इसी डर को दूर करने के लिए परीक्षा पर चर्चा में रजिस्ट्रेशन कर करके छात्र प्रधानमंत्री से सीधे संवाद स्थापित करेंगे एवं लाइव प्रश्नोत्तरी भी देख सकेंगे, जिससे उनके मन में तनाव, भय आदि का वातावरण दूर होकर के स्वस्थ प्रतियोगात्मक परीक्षा में भाग लेंगे और अच्छे नंबर ला सकते हैं।

## यूपी में कड़ाके की सर्दी का कहर, बर्फीली हवाओं से बढ़ी गलन मैदानी इलाकों में दिख रहा पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शीतलहर और घने कोहरे का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। लखनऊ में सुबह से बादल छाए रहे। बर्फीली हवाओं के असर से गलन बढ़ी। इस बीच ठंड से बचने के लिए लोग अलाव तापते नजर आए। मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अमरोहा, बिजनौर सहित प्रदेश के 45 जिले घने कोहरे की चपेट में हैं। इनमें से 18 जिलों में दृश्यता शून्य तक पहुंच गई है। हालात ऐसे हैं कि सड़कों पर वाहन बेहद धीमी रफ्तार से चल रहे हैं। और कई जगह सन्नाटा पसरना नज़र आ रहा है। ओस की बूंदें बारिश जैसी गिर रही हैं, जिससे गलन और ठंड और ज्यादा बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में साफ दिख रहा है। इसके चलते अगले तीन दिनों में दिन और रात दोनों समय ठंड और बढ़ेगी और राहत की कोई संभावना नहीं है। कोहरे की वजह से रेलवे स्टेशनों पर 50 से अधिक ट्रेनें 2 से 10 घंटे की देरी से चल रही हैं। इस वजह से यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा, जिससे भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने अगले



### कांन्हा गोशाला में लगे हीटर, राहत दे रहे अलाव

नगर निगम प्रशासन ने बढ़ती सर्दी और शीतलहर को देखते हुए आमजन और गोवशों के लिए हर संभव राहत के उपाय किए हैं। नगर आयुक्त के निर्देश पर गोशालाओं में हीटर लगाए गए हैं और अलाव की व्यवस्था की गई है। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया सरोजनीनगर में स्थित कांन्हा गोशाला में लगभग 10 हजार गोवश संरक्षित हैं, जिनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रशासन की प्राथमिकता है। लगातार बढ़ती सर्दी और शीतलहर में सर्दी से गोवशों को राहत दिलाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। गोशालाओं में 200 से अधिक परदे लगाए गए हैं, 20 हीटर लगाए गए हैं, ताकि गोवशों को ठंड से सुरक्षित रखा जा सके। इसके साथ ही 28 बाड़ों में 53 अलाव की व्यवस्था भी की गई है। इसी जगह शहर में अलग-अलग कांजी हाउस में जन्म किए गए पशुओं को ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाए जा रहे हैं। पशु कल्याण अधिकारी ने बताया सर्दी को देखते हुए लगातार निरीक्षण भी किया जा रहा है। जरूरत होने पर परदे, हीटर व अलाव की संख्या बढ़ाने को कहा गया है।

### नगर निगम जला रहा हजार स्थलों पर अलाव

नगर निगम की ओर से नागरिकों को सार्वजनिक स्थानों पर ठण्ड से बचाये जाने के लिए रैन बसेरो की व्यवस्था की गयी है। समस्त क्षेत्रों में 100 से अधिक स्थाई व अस्थाई रैन बसेरो संचालित व क्रियाशील है। यहां निराश्रितों को आश्रय की व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ यथा-बेड, बिस्तर, नहाने के गर्म पानी के लिए गीजर, कमरे को गर्म रखने के लिये ब्लोवर, शौचालय की व्यवस्था एवं साफ-सफाई की अनिवार्य रूप से समुचित व्यवस्था करायी गयी है। इसके अतिरिक्त आश्रयहीन, रैन बसेरो में ठहरे व्यक्तियों, रेलवे स्टेशनों के आगन्तुकों, अस्पताल एवं चौराहों पर आने-जाने वाले व्यक्तियों को ठण्ड से बचाव के लिए जगह-जगह 1056 अलाव जलाये जाने की व्यवस्था भी की गई है।

2 से 3 दिनों तक भयंकर ठंड और घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि बेवजह यात्रा न करें और सतर्कता बरतें। मौसम विभाग के अनुसार धूप निकलने की संभावना बेहद कम है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौसम पर लगातार नजर रखने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि बदलते तापमान और कोहरे से फसलों में कीट और रोग बढ़ सकते हैं, इसलिए समय रहते उपाय जरूरी हैं।

विभाग को अधिकतम तापमान 15.3 व न्यूनतम 10.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए प्रदेश में कोल्ड डे और अत्यंत घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। ठंड से लोगों का

जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए प्रदेश में कोल्ड डे और अत्यंत घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। इस बीच पूर्वी यूपी के बलिया में बूढ़ाबांदी से मौसम का मिजाज एकदम से बदल दिया है। ठंड और गलन बढ़ गई है। शीतलहर से लोग कंपते दिखाई दिए। रात से ही आसमान में बादल छाए रहे। बेमौसम बरसात से तिलहन की और दलहन की कीं खेती किये किसानों की चिंताएं बढ़नी शुरू हो गयी है। सड़कों पर मौजूद लोग जगह-जगह अलाव का सहारा लेते नजर आये। घरों में भी रजाई और कंबल लोगों का सहारा बने। वैसे तो पिछले कई दिनों से ठंड ने जोर पकड़ा हुआ है।



लखनऊ। ख्वाजा मुनिउद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अटल सभागार में युवा कवि पवन कुमार सिंह के काव्य संग्रह 'निर्विवाद और अन्य कविताएं' का विमोचन और परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अभिषेक प्रताप सिंह ने किया। पवन कुमार सिंह के कविता संग्रह में निहित मानवीय संवेदना, प्रकृति प्रेम को रेखांकित करते हुए इन वक्तों में इस संग्रह को कविता की दुनिया में एक जरूरी हस्तक्षेप माना। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने पवन की कविताओं में निहित संवेदना को महत्वपूर्ण माना।



मन की बात में बोले पीएम मोदी

एजेसी नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 129वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इस साल सेना का शौर्य बना और परेशान सिंदूर, स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि, एंटीबायोटिक दवाओं, कश्मीर के बारामूला में मिले बौद्ध स्तूपों के अन्वेषण और देश में युवा की भागेदारी समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि को याद किया। गणतंत्र दिवस पर हमारा मन स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता के भाव से भर जाता है। दुर्भाग्य से आज की जमानत के अनेक नायक-नायिकाओं को उचित सम्मान नहीं मिला।

मन की बात का 129वां एपिसोड



प्रधानमंत्री ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 129वें एपिसोड में देश को संबोधित किया। इस साल सेना का शौर्य बना और परेशान सिंदूर, स्वतंत्रता सेनानी पार्वती गिरि, एंटीबायोटिक दवाओं, कश्मीर के बारामूला में मिले बौद्ध स्तूपों के अन्वेषण और देश में युवा की भागेदारी समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत की।

भारत ने सुरक्षा, खेल, विज्ञान और वैश्विक मंचों पर

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बना। दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आईं। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2025 खेल के लिहाज से भी यादगार साल रहा। पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया।

बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन न करें

पीएम मोदी ने कहा कि बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन न करें। एंटीबायोटिक ऐसी दवाएं नहीं हैं, जिन्हें यूं ही ले लिया जाए। इनका इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

भारत की उम्मीदों की वजह युवा शक्ति

पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया भारत को नई आशा के साथ देख रही है और भारत की उम्मीदों की वजह इसकी युवा शक्ति, विज्ञान और तकनीक में हमारी उपलब्धि है।

'तमिल सीखें- तमिल करकलम' से जुड़े कई स्कूल

प्रधानमंत्री ने इस साल वाराणसी में हुए 'काशी तमिल संगम' में तमिल भाषा सीखने को लेकर बात कही। 'तमिल सीखें- तमिल करकलम' थीम के तहत वाराणसी की 50 से ज्यादा स्कूलों में विशेष अभियान चलाए गए। दुबई में कन्नड़ सिखाने-पढ़ाने वाले परिवारों को सहायता के लिए प्रधानमंत्री ने दुबई में कन्नड़ भाषा सिखाने-पढ़ाने वाले परिवारों को सहायता की है। पीएम मोदी ने कहा है कि कन्नड़ परिवारों को पहले से एक हजार से ज्यादा बच्चे जुड़े हैं, जो गर्व की बात है। अपनी जड़ों से जुड़े रहने के प्रयास वैश्विक हैं। प्रवासी भारतीय भी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। 'संस्कृतिक केंद्र बना 'गीतांजलि आईआईएससी' प्रधानमंत्री ने 'गीतांजलि आईआईएससी' ग्रुप की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि 'गीतांजलि आईआईएससी' यह अब सिर्फ एक क्लास नहीं, बल्कि कैम्पस का सांस्कृतिक केंद्र है।

खबर संक्षेप

31 दिसंबर तक करा लें आधार-पैन लिंक

नई दिल्ली। नए साल शुरू होने में गिने दिन बचे हैं। नए साल से कई बड़े बदलाव होने की संभावना है।

नए साल जनवरी से कारें महंगी हो रही हैं। कुछ काम ऐसे हैं, जिसे निपटाने का आखिरी मौका 31 दिसंबर तक है। जिनका आधार कार्ड 1 अक्टूबर 2024 या उससे पहले बना है, वे लोग 31 दिसंबर तक पैन से लिंक करा लें।

नायडू ने राममंदिर में किया दर्शन-पूजन

अयोध्या। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू राममंदिर अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त और डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने स्वागत किया। यहां से वह राम मंदिर के लिए रवाना हुए। राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन और पूजन किया।

दिल्ली में नितिन को मिला नया आवास

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन को दिल्ली में नया आवास मिल गया है। उन्हें लुटियंस जॉन में सरकार द्वारा एक बंगला आवंटित किया।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए एनएसएमटी की डेडिकेटेड अरु बस सेवा शुरू, 5 रुट, 14 बसें

नवी मुंबई। नवी मुंबई महानगरपालिका परिवहन उपक्रम ने नए हवाई सुबह से नवी मुंबई एयरपोर्ट के लिए डेडिकेटेड अरु बस सर्विस शुरू कर दी है। फिलहाल इस मार्ग पर अभी 2 बसें से शुरूआत की गई है। आने वाले कुछ दिनों के बाद इस सेवा का विस्तार किया जाएगा। यह नए टर्मिनल के लिए पहला फॉर्मल पब्लिक ट्रांसपोर्ट लिंक होगा। एनएसएमटी से मिली जानकारी के अनुसार बस की सर्विस सुबह 6 बजे शुरू होगी, जिन्हें 5 स्टॉप रुट पर 14 बसें के शुरूआती फ्लोत से सपोर्ट मिलेगा। नई सर्विस का मकसद एयरपोर्ट और खास सब अर्बन रेलवे स्टेशनों के बीच आसान लास्ट माइल कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। बताया गया कि ट्रेन से सफर करने वाले पैसंजर बेलापुर-नेरुल-उरण सब अर्बन कोरिडोर पर तरघर रेलवे स्टेशन के जरिए भी एयरपोर्ट जा सकेंगे, जो टर्मिनल एट्रेंस से करीब 1.5 किमी दूर है। सेंट्रल रेलवे ने एयरपोर्ट के चालू होने से पहले 15 दिसंबर को तरघर और आसपास के गव्हाण स्टेशन खोल दिए थे ताकि आने-जाने वालों और यात्रियों को आसानी से आने-जाने में मदद मिल सके।

राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान गवर्नर्स और सुधारों से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर ज्ञानवर्धक चर्चा हुई। सम्मेलन में मानव पूंजी विकास, शिक्षा, स्किलिंग, टेक्नोलॉजी, आत्मनिर्भर भारत और सुधार परियोजनाओं पर चर्चा हुई। इसके अलावा, राज्यों की कई समस्याओं पर भी सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच विचार विमर्श किया गया।

इसमें शुरूआती बचपन की शिक्षा, स्कूली शिक्षा, स्किलिंग, उच्च शिक्षा और एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटीज में विकास पर फोकस करने वाले फोरम शामिल हैं। इस सम्मेलन में राज्यों में डीरेगुलेशन, गवर्नर्स में टेक्नोलॉजी और आत्मनिर्भर भारत के तहत प्रोजेक्ट्स पर भी चर्चा शामिल है। यह कार्यक्रम नीति आयोग द्वारा आयोजित किया गया।

प्रदेशों की बेस्ट प्रैक्टिस और रणनीतियों को भी जाना, केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों सहित विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श के आधार पर विभिन्न प्रदेशों द्वारा अपनाई जाने वाली बेस्ट प्रैक्टिस और रणनीतियों को प्रदर्शित किया गया।

आत्मनिर्भर भारत पर भी किया गंथन राज्यों में विनियमन में ढीला, शासन में प्रौद्योगिकी, स्मार्ट वैल्यू चेन और एक राज्य-एक विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल, आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी तथा पोस्ट-एलडब्ल्यूई भविष्य की योजनाएं जैसे विषयों पर छह विशेष सत्र हुए।

6 विशेष सत्र आयोजित किए गए

सम्मेलन के दौरान 'आत्मनिर्भर भारत', 'स्वदेशी' और 'पोस्ट-एलडब्ल्यूई भविष्य' से जुड़ी योजनाओं जैसे विषयों पर छह विशेष सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा, भोजन सत्रों के दौरान विरासत और पांडुलिपि संरक्षण व डिजिटलीकरण तथा सभी के लिए आयुष-आधारित प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में ज्ञान के एकीकरण जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया। मुख्य सचिवों का राष्ट्रीय सम्मेलन पिछले चार वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है।

दस्तावेज किसी व्यक्ति को निजी संपत्ति नहीं हो सकते।

दस्तावेज किसी व्यक्ति को निजी संपत्ति नहीं हो सकते।

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छगो**  
**इशतहार**  
**रा०प्र०क०-अ/अ-6/2025-26**  
 एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनय गुप्ता पिता रामलाल गुप्ता, उम्र-67 वर्ष, जाति सौण्डक, निवासी चर्च रोड केदारपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग.) के द्वारा तदस्थ का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदक रामलाल पिता प्रकाश राम, उम्र 86 वर्ष, जाति सौण्डक, निवासी चर्च रोड केदारपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग.) के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 03, मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 1139/7 रकबा 0.12 एकड़ में से रकबा 2613.6 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध दानपत्र पंजीयन दिनांक 20.11.2025 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दानपत्र के आधार पर उक्त दानशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध दानपत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अनर्गत धारा 109, 110 छग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। निवर्त तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 16/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।  
 नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छगो**  
**इशतहार**  
**रा०प्र०क०-अ/अ-2/2025-26**  
 एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनय गुप्ता पिता रामलाल गुप्ता, उम्र-63 वर्ष, जाति सौण्डक, निवासी चर्च रोड केदारपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग.) के द्वारा तदस्थ का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदक रामलाल पिता प्रकाश राम, उम्र 86 वर्ष, जाति सौण्डक, निवासी चर्च रोड केदारपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छग.) के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 03, मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 1139/7 रकबा 0.12 एकड़ में से रकबा 2613.6 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध दानपत्र पंजीयन दिनांक 20.11.2025 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दानपत्र के आधार पर उक्त दानशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध दानपत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अनर्गत धारा 109, 110 छग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति का कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। निवर्त तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 16/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।  
 नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

**न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला- सरगुजा**  
**रा०प्र०क०/अ/अ-20(3)/2025-26**  
**इशतहार**  
 एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका मीरा अग्रवाल पत्नी स्व० संतलाल अग्रवाल उम्र लगभग 45 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी खजूरपारा ब्रम्हरोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छगो के द्वारा शीट नम्बर-8 मोहल्ला खजूरपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3105/2, 3106/1 रकबा क्रमशः 0.01, 0.02 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता मीरा देवी गुप्ता पत्नी अखिलेश गुप्ता उम्र लगभग 41 वर्ष जाति केसरीनानी निवासी केदारपुर बिक्रम चौक अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छगो के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टेनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकेंगे। निवर्त समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।  
 नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

इच्छुक हज यात्रियों और टूर ऑपरेटर्स से सऊदी अरब सरकार के नियमों का पालन करने की अपील

झफेडरेशन व एसोसिएशन का आह्वान, 15 जनवरी से पहले बुकिंग पंजीकरण अनिवार्य

मुंबई। आगामी वर्ष हज यात्रा पर जाने के इच्छुक यात्रियों तथा हज टूर ऑपरेटर्स से सऊदी अरब सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने और 15 जनवरी 2026 से पहले सीट बुकिंग का पंजीकरण पूरा करने की अपील फेडरेशन हज पीटीओज ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया हज एंड उमराह ऑर्गनाइजर एसोसिएशन ने की है। इस संबंध में मुंबई के मराठी पत्रकार संघ में एक पत्रकार परिषद आयोजित की गई, जिसमें एसोसिएशन के चेयरमैन शौकत तांबोली, अध्यक्ष रफीक शेख और अब्दुल कादिर खान उपस्थित थे। इस अवसर पर शौकत तांबोली ने बताया कि सऊदी अरब सरकार ने हज 2026 के लिए नियम और समय-सारिणी तय कर दी है, जो विश्व भर के सभी हज यात्रियों पर लागू होगी। इच्छुक हज यात्रियों को



अपनी सीट बुकिंग का पंजीकरण तथा उससे संबंधित सभी प्रक्रियाएं 15 जनवरी 2026 से पहले पूरी करनी होंगी। हज यात्रा 18 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 23 मई 2026 तक चलेगी। 15 जनवरी के बाद किसी भी नए यात्री का पंजीकरण स्वीकार नहीं किया जाएगा, यह स्पष्ट रूप से सऊदी अरब सरकार द्वारा सूचित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक हज यात्री की चिकित्सीय जांच अनिवार्य की गई है। इस जांच के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यात्री शारीरिक रूप से हज यात्रा के लिए सक्षम है या नहीं। केवल फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त यात्रियों को ही यात्रा की अनुमति दी जाएगी। ये नियम और शर्तें दुनिया भर के सभी हज यात्रियों पर समान रूप से लागू होंगी। इसके अलावा, 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों को इस यात्रा में अनुमति नहीं दी जाएगी। हज यात्रियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सऊदी अरब सरकार ने ये नियम लागू किए हैं। इसलिए सभी इच्छुक हज यात्री और हज टूर ऑपरेटर्स से अनुरोध किया गया है कि वे इन नियमों का कड़ाई से पालन करें।

नाइजीरियन 12.60 लाख की कोकेन के साथ गिरफ्तार

वसई। दिन दिन तर चौगुना की तर्ज पर वसई तालुका में ड्रग्स की तस्करी नाइजीरियन द्वारा घट्टल्ले से किया जा रहा है इस तरह नालासोपारा पूर्व के प्रमोति नगर इलाके में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी का मामला सामने आया है। तूलिज पुलिस स्टेशन की डिटेक्शन टीम और एंटी टेररिज्म सेल (एटीसी) की संयुक्त कार्रवाई में एक नाइजीरियन नागरिक को कोकेन ड्रग्स के साथ रिंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से करीब 60

ग्राम कोकेन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 लाख 60 हजार रुपये बताई जा रही है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक अज्ञात विदेशी नागरिक प्रमोति नगर इलाके में ड्रग्स की डिलीवरी देने आने वाला है। सूचना के आधार पर तूलिज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव के मार्गदर्शन में एटीसी और डिटेक्शन टीम ने इलाके में एंटी वार्ड में जाल बिछाया और संदिग्ध गतिविधि कर रहे व्यक्ति को रोका। पूछताछ और तलाशी के दौरान उसके पास से कोकेन ड्रग्स बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान व (उम्र 37 वर्ष), निवासी नाइजीरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे मौके पर ही हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी यह ड्रग्स कहाँ से लाया था और किन-किन लोगों को इसकी सप्लाई की जानी थी।

नवंबर का सदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

**आवरण कथा**

कुमार राधारण

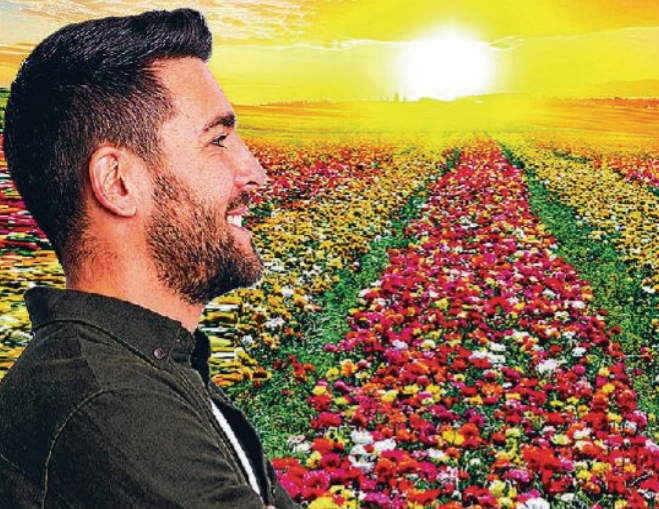
वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयों देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चुकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

**बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण:** नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,



बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियाँ दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया। प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियाँ

# नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार



**सीखेंगे नित नए कौशल:** तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना भी हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

**तन-मन का रखेंगे ध्यान:** स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता

**धनार्जन भी है जरूरी:** धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश बुद्धिमत्तापूर्वक करें। अनावश्यक खर्च कम करना भी धन अर्जित करना ही है। लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयास वर्तमान को जाया न कर दें। भविष्य



कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें। रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, कितना पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

**समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान:** सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंपैट जॉन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

**शांति के लिए करेंगे प्रयास:** इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आंशुकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही शांति से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है।

**विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी**

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।



## व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

**आह्वान / शिखर चंद जैन**

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। भारत की प्राचीन अवधारणा: हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक कुटुंब के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचना इसका मूल उद्देश्य है।

**कब-कैसे हुई शुरुआत:** वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए

वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है।

**मनाती है पूरी दुनिया:** वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है।

**परिवार के संग मनाएँ यह दिन:** यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पुरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों



या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं को जड़ धूल और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियाँ वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विस्तृत चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता की है। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खुब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो

असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पराक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी बलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। \*

अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसे दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग: हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और अंतरराष्ट्रीय दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्व पर केंद्रित है। \*



**कविता**  
राजेंद्र श्रीवास्तव

### एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।  
कभी हृदय रिक्त उठा पुष्य-सा,  
और कभी गुणवुप रोया।  
कभी सफलता स्वयं आ गई,  
कभी स्वर्ण-अवसर खोया।  
आता-जाता रहा वक्त भी  
अपने ही रथ पर चढ़कर,  
कात्तिक की उथल-पुथल में यह जीवनघट रीत गया।  
खं, शोक, संघर्ष, समन्वय,  
सुख-दुःख, धूप-छांव जैसे।  
कुछ दिन बीते खुशहाली में,  
बीते कुछ जैसे-रैसे।  
दांव-पंच घड़ियों का भी  
खेत सीखने दिवस हुआ,  
गीता कभी किसी से मैं था, कोई मुझसे जीत गया।  
जब-जब स्वर गीतों-गजलों के  
मेरे होंठों पर आएं।  
तब तब कहीं अर्थहीन पाई  
वाद्यध्वज बिगड़े पाए।  
सरा नहीं आरम्भत लेकिन  
कोई जतन सफल लेगा,  
बिगड़े साजों से रथ टूटा, मैं कोई संगीत नया।

**खंघ / अंघुनाली रस्तोमी**

ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

## ठंड और चोर



इ न दिनों ठंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहे। लेकिन मैं दाद देता हूँ उन चोरों को, जो भीषण ठंड में भी चोरी कर रहे हैं। ठंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ ठंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है!

बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियाँ अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन ठगी (चोरी) में कहीं जाने को जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शांति होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना

कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन ठगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्लू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-चारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुरते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वालों, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी कहिए, सैन पारंपरिक चोरों में ही बनता है।

विकट ठंड में चोरी कंपकंपी लुझा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें

यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी की पसंद आने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैं न कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुन रहा है, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके तरंगेट पर हमेशा धनरासे हो रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन करने है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सबाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बंद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, इंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियाँ खत्म कभी न होंगी। ठंड के मौसम में चोरी करना निश्चय ही कर्म काण्ड है। मेरे विचार में ऐसे चोर चोरों को नहीं न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! \*

# ये किनकी सांसों के सौदे

लड़ाई के योद्धा न डाक्टरों की हड़ताल और न ही किसी डाक्टर की बर्खास्तगी से तय हुए, मगर पूरे प्रदेश की पूरी-पूरी जनता आहत हुई हर बार। इस बीमारी के लक्षण केवल आईजीएमसी में ही मिले हों, सही नहीं होगा। बीमारी के लक्षण सरकारी इलाज के तरीके या सरकार के फायदों को भुनाती जनता में ही हैं। हम काबिल डाक्टर की खोज में बीमार होते हैं या मरीजों की शुमारी में खुद डाक्टर परेशान होते हैं। परेशानियों का सबब यह कि अस्पतालों की गुंडई में जोर जनवरदस्ती का नारा है। करीब तीन हजार सरकारी डाक्टर इसलिए अस्पतालों से गैर हाजिर हैं, क्योंकि उनके सहयोगी डाक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है। यह किस्सा इतना भी नर्म नहीं है कि सरकार सख्त न होती और इतना भी स्वाभाविक नहीं कि किसी एक पक्ष को कमजोर आंक लें। ताकत डाक्टरों पेशे ने उस वक्त दिखाई होगी, जब एक मरीज को दुश्मन माना गया होगा। जब अस्पताल की चटाई याक्स्टर की लंबाई में मरीज छोटा हो जाए, तो डाक्टरों का प्रोफेशन खूब से भी ऊपर अपनी ताकत बतता है। इसी ताकत के आगे आए दिन मेडिकल कालेजों तक में व्यवस्था हासिल है, लेकिन डाक्टर एक कैबिन है-पिंजारा नहीं। उसकी क्षमता और दक्षता में अंतर है। यही अंतर चिकित्सा सेवाओं का अंतर्विरोध बन जाता है। फर्ज के लिखित संदेश व्यावहारिक नहीं होते, क्योंकि दुनिया बीमार है। हमने डिसेम्बर छोड़ी, ताकि सिविल अस्पताल बेहतर साबित हो। नागरिक अस्पताल छोड़ा ताकि जोनल या क्षेत्रीय अस्पताल में दक्षता मिल जाए और अब सारा हिमाचल गिन रहा है मेडिकल कालेज। शायद ईसॉलिए आईजीएमसी के बिस्तर पर लेटा मरीज अपने जीने के अग्रमानों को मेडिकल कालेज के दर पर ले आया था। इसमें दो राय नहीं कि मरीज का



आचरण आक्रोश नहीं, लेकिन हर मरीज बेहोश नहीं होता। मामला डाक्टर और मरीज बन जाए, तो इस जीत-हार में सिर्फ विश्वास हारता है। डाक्टर मरीजों पर नजर रखेंगे कि कहीं कोई बिगड़ा मरीज या उसका तीमारदार न निकल आए और मरीज डरेगा कि कहीं डाक्टर का हाथ न उठ जाए। यह भी एक विडंबना है कि पहले डाक्टर अपने तौर पर मरीज का मनोविज्ञान और चिकित्सा विज्ञान हाथ से टटोलते थे, लेकिन अब बीमारी की सारी अजियाँ इतनी मेहनत कराती हैं कि चिकित्सा पद्धति, यातना की गजदूर बना देती है। आईजीएमसी के मजदूर मरीजों में तो मरीज याचक था और न ही डाक्टर शरीफ था। जो अस्पताल परिसर में घूसे चला सकता है, उसे रिंग में होना चाहिए और जिस मरीज की जुबान कर्कश हो, उसे सुधारने की जरूरत है। क्या वक्त आ गया है जब डाक्टरों को मार्शल मिलने चाहिए या मरीजों के साथ पुलिस के सिपाही चलने चाहिए। ऐसे में सरकार की नर्म कर्मचारी नीतियाँ दोषी हैं या प्रदेश में प्रोफेशनलिज्म अभी आया ही नहीं। कल अगर ट्रैफिक नियंत्रित करने वाले सिपाहियों को वाहन चालक से आम पीटना शुरू कर दे या प्रशासन के आदेशों के खिलाफ मुहिम खूँवार होने लगे, तो सरकार कैसे फंसले लगी। इसके विपरीत अगर हर विभागीय और विभागीय ओहदे आम जनता के प्रति आक्रामक हो जाएं, तो तब सरकार क्या करेगी। यह एक अवांछित छूट का अधिकार है, जो सरकारों कर्मचारियों और अधिकारियों को सिर पर बैठा कर व्यवस्था को पुचकारती रही हैं। इस प्रदेश में पनपते हर जोखिम के छोर पर जनता की मजबूरियाँ बैठी हैं। प्रदेश कितना शक्तिशाली या व्यवस्थित पंढ है, उसकी हवा डाक्टर निकाल चुके हैं। अगर तीन हजार डाक्टर तमाम सरकारी अस्पतालों का भट्टा बिठा सकते हैं, तो ऐसी परिस्थितियों में स्कूल-कालेजों और कानून व्यवस्था का क्या होगा। कितने दर्द में तेरे एहसास घायल कर गए, ये सिर्फ तेरी बगावत नहीं शेरियाँ ही थीं। एक दिन के लिए किसी मेडिकल कालेज के आपरेशन थियेटर का बंद होना, कितनी सांसों का सोदा है। मरीजों की कतारों में बच्चे, महिलाएँ, बूढ़े, अपाहिज और असहाय भी होंगे, मगर डाक्टरों की बादशाहत में अस्पताल लुट गया। सजा किसे मिली। डाक्टर या मरीज को या उस व्यवस्था को जिसके भरोसे जनता सांस लेना चाहती है। ऐसे में जनता के अविश्वास से सरकार के प्रयास हर सरकारी अस्पताल में फेल होंगे, क्योंकि तालेबंदी जैसी स्थिति में डाक्टर ही पेशे के हुक्मरान हैं। फिर न कहना कि हिमाचल में निजी अस्पताल लूट रहे हैं।

# युंका एवं एनएसयूआई ने फूँका बांग्लादेश के पीएम का पुतला

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**  
सूरजपुर। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक एवं हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में सोमवार को यहां अग्रसेन चौक पर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेन्द्र यादव एवं एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया गया। मामले में विदेश नीति पर मोदी सरकार की विफलता को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्रामगृह से पदयात्रा करते हुए

अग्रसेन चौक में पुतला दहन किया। साथ ही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बताया गया कि बांग्लादेश में लगातार हिन्दुओं एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं एवं उनकी हत्या की जा रही है बांग्लादेश के साथ-साथ अन्य देशों में भी लगातार हिन्दू विरोधी घटनाएं हो रहे हैं और इस पर प्रधानमंत्री की चुप्पी समझ नहीं आ रही है बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन



जमाती इस्लामी पर रोक के मामले हो या अन्य हिन्दू चिंताजनक है धर्म एवं राजनीति कि लगातार हो रहे घटनाएं मजबूत संदेश देने में विफल रही है कार्यकर्ताओं ने पत्र के आधार पर दुनिया के किसी भी हिस्से में हिंसा अस्वीकार है एसी घटनाएं होने के बाद भी भारत सरकार बांग्लादेश को माध्यम से सरकार को इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के तरह दृढ़ता दिखलाते हुए स्पष्ट सैद्धांतिक प्रतिक्रिया

देने का कदम उठाने की मांग की गई है और बताया गया कि सरकार अगर ठोस कदम उठाती है तो कांग्रेस पार्टी साथ देगी।

अनुयाग डालमिया, सूरज गुप्ता, सूरज अवस्थी, बंटी सिंह, मोहसिन रजा, प्रशांत साहू, लिवनेश सिंह, राजेश साहू, रूद्र

राम सिंह, त्रिलोचन प्रसाद, अञ्जु अंसारी, तनवीर, आशीष सिंह, वारिश खान, कृष्णा तिवारी, दया राजवाड़े, भोला प्रसाद राजवाड़े, अमोली नंद, कृष्ण बिहारी साहू, शिव राजवाड़े, देव राजवाड़े, हरवंश राजवाड़े, धर्मेन्द्र साहू, पुनीत विश्वकर्मा, विनय चौधरी, बाबू दुबे, मोना खान, रामचन्द्र राजवाड़े, अद्वान सिद्दीकी, शनि जायसवाल, सुमंत राजवाड़े, विवेक सिंह, विनय पावले, विकास गुप्ता, घनश्याम, प्रकाश, श्रवण कुमार, रवि महंत, सुमीत, विनय दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

इस दौरान पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, मनोज अग्रवाल, हेमेश गुप्ता, नीरज तायल, विष्णु कसेरा, अविनाश यादव, नैतिक अग्रवाल,

प्रताप सिंह, शाहरुख खान, युवध सिंह, मधु साहू, दिलीप सोनी, लक्ष्मण राजवाड़े, हरी साहू, नितेश साहू, शिवम साहू, हैदर अली, आशीष साहू, यश दास, पीयूष कुशवाहा, कलकता राजवाड़े, सोमू खान, अजय सिंह, उत्तम यादव, अखिलेश सिंह, सावित्री शर्मा, संगीता राजवाड़े, तनवीर,

## न्यायालय अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी (भू-अर्जन) जिला -मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

फोन: - 07771-299057 ई-मेल: - collector-mcb@cg.gov.in

क्रमांक/7689/न्याया. अपर कले./भू-अर्जन/2025 मनेन्द्रगढ़ दिनांक 24.12.2025

**रेल अधिनियम, 1989 की धारा- 20 च(4) के अंतर्गत//**

**संशोधित लोक-सूचना//**

**विषय:-** प्रस्तावित रेलवे परियोजना हेतु भूमि/संरचना के अधिग्रहण के पूर्व प्रतिकर राशि के निर्धारण एवं आपत्तियों हेतु लोकसूचना।

यह विदित हो, कि रेल अधिनियम, 1989 के अंतर्गत चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट नई ब्राड गेज रेलवे लाईन छत्तीसगढ़ रेलवे परियोजना के निर्माण हेतु निम्नलिखित ग्रामों की भूमि/संरचनाओं को अधिग्रहण हेतु प्रस्तावित किया गया है।

उक्त अधिग्रहण हेतु प्राथमिक प्रतिकर राशि (Provisional Compensation) की गणना की जा रही है। इस संबंध में निम्न विवरण प्रस्तुत है—

### 1. प्रस्तावित अधिग्रहित भूमि/संरचना का विवरण-

क्रमांक	अधिग्रहण का विवरण	सरोला
1	ग्राम/नगर	सरोला
2	तहसील	मनेन्द्रगढ़
3	जिला	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर
4	खसरा/प्लॉट नंबर एवं अर्जन हेतु प्रस्तावित क्षेत्रफल	
		क्र. खसरा नं. रकबा
		1 111 0.160
		2 108/1 0.180
		3 113/2 0.030
		4 113/3 0.056
		5 113/5 0.010
		6 113/6 0.040
		कुल खसरे - 06 कुल रकबा - 0.476 हे.

5 भूमि का प्रकार :- कृषि योग्य/अकृषि/आवासीय/ व्यावसायिक आदि

6 स्वामी/दावेदार का नाम

### प्रतिकर राशि निर्धारण हेतु आधार -

क्रमांक	अधिग्रहण भूमि के प्रतिकर राशि का विवरण	प्रपत्र - क अनुसार
1	छत्तीसगढ़ बाजार मूल्य निर्धारण संबंधी उपबंध 2025-26 का एवं वर्तमान वर्तमान बाजार मूल्य।	प्रपत्र - क अनुसार
2	भूमि का उपयोग/प्रकृति	प्रपत्र - क अनुसार
3	संरचना/फसल/वृक्षों का मूल्यांकन	प्रपत्र - ख अनुसार
4	रेलवे परियोजना से प्रभावित अन्य परिसंपत्तियों का मूल्य	प्रपत्र - क अनुसार
5	अधिनियम/नियमों के अनुसार देय अन्य लाभ	प्रपत्र - क अनुसार

3. आपत्ति/दावा प्रस्तुत करने की सूचना -  
उक्त प्राथमिक प्रतिकर गणना के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को भूमि स्वामित्व, क्षेत्रफल, वर्गीकरण, मूल्यांकन एवं प्रतिकर राशि के संबंध में कोई आपत्ति, दावा या अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करना चाहते हों, तो स्वयं या अपने प्रतिनिधि के माध्यम से निम्नलिखित अवधि एवं स्थान पर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें -

- आपत्ति ग्राह्य करने की अवधि तिथि :- 12/01/2026 से 02/02/2026 तक (अवकाश दिवस-प्रत्येक शनिवार, रविवार तथा दिनांक 26/01/2026 एवं अन्य घोषित शासकीय अवकाश को छोड़कर)
- प्रस्तुति का स्थान :- न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, छत्तीसगढ़ (कक्ष क्र. - 08)
- समय :- प्रातः 12:00 से दोपहर 03:00 बजे तक

4. महत्वपूर्ण सूचना
- नियत समय के भीतर प्राप्त दावों/आपत्तियों पर विचार किया जाएगा।
  - उचित प्रक्रिया पश्चात प्रतिकर राशि का अंतिम अर्वाइड पारित किया जाएगा।
  - प्रभावित भू-स्वामियों को सुनवाई हेतु पृथक से सूचना जारी की जावेगी।

### 5. संपर्क अधिकारी

नाम : श्री अनिल कुमार सिदार  
पद : अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी  
कार्यालय : कलेक्टर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)  
फोन : 07771-299057  
ई-मेल : collector-mcb@cg.gov.in

मुहर (अनिल कुमार सिदार)  
अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी ( भू-अर्जन )  
चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट नई ब्राड गेज रेलवे लाईन छत्तीसगढ़ रेलवे परियोजना  
जिला: मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ( छ.ग. )

## कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों का क्रिया निरीक्षण



**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**  
सूरजपुर। सोमवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा जिले के बतरा, सलका, करोटी 'ब' एवं चंद्रमेढ्रा स्थित धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीदी केंद्रों पर उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर धान खरीदी की व्यवस्था, सुविधा एवं प्रक्रिया की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सभी धान खरीदी केंद्रों में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी खरीदी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा किसानों के हित में धान खरीदी कार्य को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु लगातार निगरानी एवं निरीक्षण किया जा रहा है।

## जिले की समितियों में अब तक 2.82 लाख क्विंटल धान की गई खरीदी

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**  
सूरजपुर। जिले के खरीदी केंद्रों में धान खरीदी का कार्य सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है। शासन द्वारा किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध बनाया गया है। जिले में अब तक कुल 2,82,226.08 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके लिए समितियों द्वारा 24704 टोकन जारी किए गए हैं, जिनमें से 12,520 टोकन मौबाइल ऐप के माध्यम से जारी किए गए हैं। वहीं, जिले में 1713 किसानों द्वारा 273,015 हेक्टेयर रकबा का सम्पन्न किया गया है। उल्लेखनीय है कि धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान भंडारण, खरीदी एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक 61 प्रकरणों में 4550.90 क्विंटल धान जप्त किया जा चुका है। साथ ही कलेक्टर के निर्देशन में जिले की सभी सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर अवैध धान भंडारण एवं परिवहन को रोकने के लिए 24 घंटे सतत निगरानी की जा रही है। संदिग्ध वाहनों की सघन जांच के साथ-साथ रात्रिकालीन गश्त भी की जा रही है। आंतरिक चेक पोस्टों पर विशेष टीमों की तैनाती की गई है। इसके अलावा जिले में कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध रूप से धान खपाने पर रोक लगाने तथा धान खरीदी प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी हेतु जिले में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से खरीदी, भंडारण एवं परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान, कोचियों एवं बिचौलियों से संबंधित शिकायत दर्ज कराने हेतु खाद्य विभाग कॉल सेंटर नंबर जारी किए गए हैं।

मुआवजा पत्रक - ४

ग्राम- सरोला तहसील- मनेन्द्रगढ़ जिला- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ०ग०)

हितबध्द व्यक्ति/भूमि स्वामी का नाम	खसरा नम्बर	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (रकबा)	परिसम्पत्तियों का विवरण	परिसम्पत्तियों का मुआवजा राशि	
				परिसम्पत्तियों की संख्या	परिसम्पत्तियों का माप (मीटर में)
1	2	3	4	5	6
1	111	0.160	साल का पेड़	1	-
योग					36680.00

परिसम्पत्तियों का गणना पत्रक- ४

ग्राम- सरोला तहसील- मनेन्द्रगढ़ जिला- एमसीबी (छ०ग०)

क.	हितबध्द व्यक्ति/भूमि स्वामी का नाम	खसरा नम्बर	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (रकबा)	परिसम्पत्तियों का विवरण	परिसम्पत्तियों का मुआवजा राशि
1	2	3	4	5	6
1	सुभाषचन्द्र पिला गोकुल, रामप्रताप आओ भगवान दास,	108/1	0.180	साल का पेड़	36680.00
योग					36680.00

परिसम्पत्तियों का गणना पत्रक - ५

ग्राम- सरोला तहसील- मनेन्द्रगढ़ जिला- एमसीबी (छ०ग०)

क.	हितबध्द व्यक्ति/भूमि स्वामी का नाम	खसरा नम्बर	अर्जित भूमि का क्षेत्रफल (रकबा)	परिसम्पत्तियों का विवरण	परिसम्पत्तियों का मुआवजा राशि
1	2	3	4	5	6
1	कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी	115	-	लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का पाईप लाईन कनेक्शन	1075000.00
योग					1075000.00

अपर कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी ( भू-अर्जन )  
चिरमिरी-नागपुर हॉल्ट नई ब्राड गेज रेलवे लाईन छत्तीसगढ़ रेलवे परियोजना  
जिला: मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ( छ.ग. )

**संपर्क करें**  
समाचार, ईशतहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।  
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन  
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा  
अम्बिकापुर  
मो. 9713108088  
8719000259

# कोरिया फ्रंटलाइन

## समर्था सेवा समिति के वार्षिक महिला क्रीड़ा उत्सव में उमड़ा उत्साह

महिलाओं ने खेलों का लिया भरपूर आनंद

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)**। जिला एमसीबी के चिरमिरी क्षेत्र अंतर्गत गोदरीपारा खटीक प्राण्ड में समर्था सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित वार्षिक महिला क्रीड़ा उत्सव हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में घरेलू महिलाओं ने बड़-चढ़कर भाग लेते हुए खेलों का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय उपस्थित रहे। वहीं विशेष अतिथि के तौर पर नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र की समस्त महिला पार्षदों की गरिमामयी उपस्थिति रही।



कार्यक्रम की शुरुआत समिति के सदस्यों द्वारा भारत माता के छायाचित्र पर पुष्पांजलि व आरती कर तथा राष्ट्रगान के साथ की गई। इसके पश्चात

जिनमें महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वयं मटका फोड़ एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेकर महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की इस सहभागिता से घरेलू महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा आयोजन उत्सव के रूप में तब्दील हो गया। अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने क्षेत्र एवं प्रदेश के विकास कार्यों की जानकारी देते हुए समर्था सेवा समिति के सामाजिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया कि वे सदैव समाजहित के कार्यों में उनके साथ खड़े हैं और आवश्यकता पड़ने पर हर संभव सहयोग

देंगे। समिति की सचिव श्रीमती कंचन जायसवाल ने कार्यक्रम की सफलता का श्रेय सभी महिला खिलाड़ियों एवं उपस्थित दर्शकों को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं समिति की अध्यक्ष श्रीमती रीता आईच ने सभी अतिथियों, समिति की महिला सदस्यों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह आयोजन महानों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य घरेलू महिलाओं को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना है। उल्लेखनीय है कि समर्था सेवा समिति पिछले कई वर्षों से घरेलू महिलाओं के हित में इस प्रकार के आयोजन करती आ रही है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## कोरिया कलेक्टर ने मातृ मृत्यु दर कम करने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली

**बैकुंठपुर**। जिले में मातृ मृत्यु दर को कम करने तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर कोरिया में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा नीति आयोग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि एचआरपी अर्थात् उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को निर्धारित 25 इंडिकेटर्स के आधार पर चिन्होंकित कर उनकी नियमित

एवं गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। इस कार्य में मितानिन, मितानिन ब्लॉक समन्वयक, मितानिन प्रशिक्षक, जिला समन्वयक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि एचआरपी गर्भवती माताओं की लाइन लिस्टिंग आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्वास्थ्य केंद्रों पर अनिवार्य रूप से की जाए तथा इसकी जानकारी सभी मितानिनों को उपलब्ध हो। उन्होंने निर्देश दिए कि एचआरपी मामलों की जांच प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तिमाही में ट्राइसेस्टर वाइज

तथा तृतीय तिमाही के बाद हर 15 दिन में नियमित रूप से की जाए, ताकि समय पर सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराया जा सके। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि प्रत्येक स्वास्थ्य संस्था हेतु कार्य योजना तैयार कर जिला स्तरीय टीम द्वारा नियमित विजिट की जाए। मातृ मृत्यु दर को रोकने से जुड़े प्रमुख कारणों पर चर्चा कर उनकी निरंतर ट्रैकिंग की जाए। प्रत्येक गर्भवती महिला तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करते हुए समय पर जांच एवं सुरक्षित संस्थागत प्रसव कराकर मातृ मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाने के निर्देश दिए गए।

## खड़गवां में अटल स्मृति संगोष्ठी सम्मेलन का आयोजन

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)**। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन के निर्देशानुसार भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर आयोजित अटल स्मृति संगोष्ठी सम्मेलन मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक भवन खड़गवां में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मनेंद्रगढ़ विधायक व छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि भारत का उत्थान, देश और देश के किसान सदैव अटल बिहारी वाजपेई की प्राथमिकता में रहे। उन्होंने बताया कि अटल स्मृति संगोष्ठीयां आज पूरे देश में आयोजित की जा रही हैं, जो उनके विचारों की व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने अपने संबोधन में अखंड भारत के निर्माण में योगदान देने वाले उन महापुरुषों को भी स्मरण किया, जिनकी भूमिका के कारण आज देश विकसित भारत 2047 का स्वप्न साकार करने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने उन निर्यातों पर भी प्रहार किया, जो देश को 19



माह के आपातकाल की दर्दनाक स्मृतियों की याद दिलाते हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के गठन और पाक अधिकृत कश्मीर के दर्द पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को ऐतिहासिक तथ्यों से अवगत कराया। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र निर्माण के लिए कार्यकर्ताओं को जोड़ने वाली पार्टी है और पार्टी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई बने। उन्होंने अटल जी के प्रसिद्ध कथन अंधेरा छटेगा और कमल खिलेगा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज यह कथन सत्य सिद्ध हुआ

है और देश के लगभग 75 प्रतिशत राज्यों में कमल खिल चुका है, जो अटल जी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा राम राज्य की कल्पना को साकार करने के लिए कार्य कर रही है। अटल बिहारी वाजपेई जी के सिद्धांतों और अडिग विचारधारा का उल्लेख करते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि मात्र 13 माह की सरकार इसलिए गिर गई क्योंकि अटल जी किसी भी प्रकार का समझौता करने को तैयार नहीं थे। यही उनकी अटलता, ईमानदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण को दर्शाता है। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी बाबूलाल अग्रवाल एवं महापौर नगर निगम चिरमिरी रामनरेश राय ने भी अटल बिहारी वाजपेई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, जिला पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा के प्रदेश व जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष व सदस्य, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

## पीएम-अभिम अंतर्गत बीपीएचयू सोनहट का सीएमएचओ द्वारा औचक निरीक्षण

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**बैकुंठपुर**। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-अभिम) के अंतर्गत निर्माणाधीन बीपीएचयू सोनहट का जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आयुष जायसवाल एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक अशरफ अंसारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया गया। सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी



को गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य

**मुख्यमंत्री ने सागरबार के संत गहिर्हा गुरु आश्रम में गुरु पीठाधीश्वर संत से मुलाकात की**  
**जशपुरनगर**। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बगीचा विकास खंड के ग्राम सागरबार के संत गहिर्हा गुरु आश्रम में गुरु पीठाधीश्वर संत बरुवाहन सिंह जी महाराज से मुलाकात करके स्वास्थ्य एवं आश्रम गतिविधियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने पूज्य गहिर्हागुरुजी महाराज के अनुयायियों, कंवर समाज, साहू समाज विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समाज रौतिया, बिड़ियां समाज, यादव समाज, नागवंशी, गौड़ समाज, उरांव समाज, संस्था के ट्रस्टी आश्रम प्रमुख एवं आमसभा सदस्य अन्य समाज के सदस्यगण से मुलाकात किए।

## कांग्रेस ने उत्साह से मनाया कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)**। एमसीबी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा उत्साह पूर्वक कांग्रेस पार्टी का 140वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जनों ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कांग्रेस के स्थापना दिवस पर आयोजित बैठक में संगठनात्मक मजबूती, पार्टी की विचारधारा और जनहित के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई इसके साथ ही ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर मनेंद्रगढ़ के अध्यक्ष राजेश शर्मा का जन्मदिन मनाया गया एवं नवनिर्वाचित महिला कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष रुमा चटर्जी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि



कांग्रेस पार्टी देश की आजादी से लेकर आज तक लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी प्रहरी रही है। स्थापना दिवस हमें याद दिलाता है कि हमें आमजन की आवाज बनकर संघर्ष को और तेज करना है। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचारधारा है, जिसने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और

## उप अभियंता की मिलीभगत से पंचायत कर्मचारी वित्तीय अनियमितता को दे रहे अंजाम

**छ.ग.फ्रंटलाइन**  
**सोनहट**। विकास खंड सोनहट के ग्राम पंचायत मधला में हसदो नदी के पुल के बगल में मुक्ति धाम निर्माण कार्य प्रगति पर है एजेंसी ग्राम पंचायत मधला को बनाया गया है जो कि मुक्ति धाम का सुचना पटल प्रथा स्वरूप निर्माण कार्य की जगह से दूर तक नजर नहीं आ रही है यहां पर जब काम पुरा हो जाता है तो पीछे सुचना पटल लगाई जाती है काम कितना का है क्या जानकारी है ये खुद को पता लगाना पड़ता है। निर्माण कार्य पर नींव की खुदाई नाम मात्र का हुआ है सीधे जंगली गिट्टी से ढालकर ईंट जोड़ई चालू कर दिये है सोमेट भी एकदम घटिया हल्का ग्रेड

## संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प

वर्चित वर्ग के हक की लड़ाई लड़ी है। आज जूरूत है कि हम जमीनी स्तर पर संगठन को और मजबूत करें। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रमेश सिंह ने कहा कि कांग्रेस स्थापना दिवस हमें त्याग, संघर्ष और सेवा के मूल मंत्र की याद दिलाता है। आज के दौर में इन्होंने मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है। कांग्रेस की विचारधारा ही युवाओं को सही दिशा, समान अवसर और न्याय दिला सकती है। युवा शक्ति को संगठन से जोड़कर हम बदलाव की लड़ाई जीतेंगे। बैठक का समापन कांग्रेस पार्टी की एकता, संघर्ष और संविधान की रक्षा के संकल्प के साथ हुआ।